Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
वेलकम इंडिया
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 99 | सोमवार, 13 अप्रैल-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी की राजनीतिक दलों से अपील, महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के लिए एकजुट हों

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 से 18 अप्रैल तक होने वाले संसद के विशेष सत्र से पहले सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (महिला आरक्षण कानून) को लागू करने के लिए समर्थन मांगा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए।

कानून में संशोधन की क्यों है जरूरत?

वर्ष 2023 में पारित मूल महिला आरक्षण कानून के अनुसार, यह आरक्षण 2027 की जनगणना के बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया के बाद ही लागू हो सकता था। इस स्थिति में महिलाओं को 2034 से पहले आरक्षण मिलना संभव नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में स्पष्ट किया कि विस्तृत विचार-विमर्श और विशेषज्ञों की राय के बाद सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि इसे 2029 के आम चुनाव से ही लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए कानून के वर्तमान स्वरूप में संशोधन करना अनिवार्य है।

प्रस्तावित बदलाव

प्रधानमंत्री के अनुसार, इस संशोधन के पारित होने से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा। लोकसभा में सीटों की संख्या वर्तमान से बढ़कर 816 हो जाएगी। कुल सीटों में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नीति-निर्धारण और नेतृत्व में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

दशकों पुराने इंतजार को खत्म करने का समय

पीएम मोदी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि अंतरिक्ष से लेकर खेल और सशस्त्र बलों तक भारत की बेटियां अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में संसद ने एकजुट होकर इस अधिनियम का समर्थन किया था, जो हमारी लोकतांत्रिक एकता का प्रतीक था। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह क्षण किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर है, यह महिलाओं और हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का समय है।'

16 अप्रैल से ऐतिहासिक चर्चा

संसद के बजट सत्र की अवधि बढ़ा दी गई है और विशेष सत्र 16 अप्रैल से शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई है कि सभी सांसद दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस ऐतिहासिक परिवर्तन का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 140 करोड़ भारतीयों और देश की नारी शक्ति के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

आंध्र के एनटीआर में भीषण सड़क हादसा, कीसरा टोल प्लाजा पर कार को फ्लाई ऐश टैंकर ने कुचला, वकील की मौत

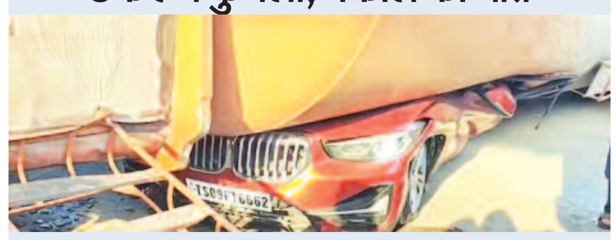

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में शनिवार को कीसरा टोल प्लाजा पर एक भयानक सड़क हादसा हो गया। फ्लाई ऐश से भरा भारी टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और एक कार पर गिर पड़ा, जिसमें सवार गुन्टूर के वकील पी। श्रीनिवास राव की मौके पर ही मौत हो गई। शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला है कि टोल गेट के पास पहुंचते ही टैंकर के ब्रेक फेल हो गए थे। जिसकी वजह से टैंकर चालक के कंट्रोल से बाहर हो गया। पुलिस ने बताया कि ब्रेक फेल होने की वजह से अनियंत्रित हुआ टैंकर ने पहले पीछे से एक कार को जोरदार टक्कर मारी और फिर उसके ऊपर पलट गया, जिससे कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि वह टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रहे हैं, ताकि घटना के सही क्रम और कारणों की पुष्टि की जा सके।

'मनगढ़ंत कहानियों से नहीं बदलेगी हकीकत': भारत ने अरुणाचल पर चीन के दावों को किया खारिज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की कुछ जगहों को फर्जी नाम देने की कोशिश को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया है। टएअ के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया क्वेरी के जवाब में कहा कि ऐसी किसी भी शरारती कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों, पहाड़ों, दर्रों, नदियों और बस्तियों के लिए चीनी नाम जारी किए हैं। भारत इसे दक्षिण तिब्बत मानकर अपना दावा जताता रहा है, लेकिन भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नामकरण के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखे हुए है। हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इन प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं।

क्रिएटिव नामकरण से हकीकत नहीं बदलेगी: विदेश मंत्रालय

रंधीर जायसवाल ने आगे कहा कि क्रिएटिव नामकरण इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। चीन की ओर से झूठे दावे पेश करना और बेबुनियाद कथानक गढ़ना इस हकीकत को नहीं बदल सकता। MEA ने चेतावनी दी कि चीन की ये हरकतें भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाती हैं। प्रवक्ता ने कहा कि चीन की ये कार्रवाइयां संबंधों में नकारात्मकता घोलती हैं और बेहतर समझ विकसित करने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। चीन को ऐसी कार्रवाइयों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता डालें।

भारत का अडिग रुख

भारत ने पहले भी चीन की इसी तरह की कई कोशिशों को खारिज किया है। हर बार सरकार ने दोहराया है कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देश सीमा मुद्दों पर बातचीत जारी रखे हुए हैं, लेकिन चीन की ओर से बार-बार उठाए जा रहे ऐसे कदम संबंधों में तनाव बढ़ा सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने जोर दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को ऐसी हरकतों से दूर रहना चाहिए जो द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करें। भारत हमेशा शांतिपूर्ण समाधान और सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने के पक्ष में रहा है।

लालू यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट को दी चुनौती, अब सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने 'जमीन के बदले नौकरी' भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ 13 अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करेगी। इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रविंदर दत्त देजा ने लालू की एफआईआर और उनके खिलाफ दायर आरोपपत्रों को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने मामले में दायर तीन आरोपपत्रों को बरकरार रखा और निचली अदालत द्वारा मामले का संज्ञान लेने की बात स्वीकार की। यह मामला लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए 2004 से 2009 तक हुए कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। अधिकारियों का दावा है कि जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य जोन में, कथित तौर पर उपहार में दी गई या हस्तांतरित जमीन के बदले 'ग्रुप डी' रेलवे की नौकरियां आवंटित की गईं। लालू ने तर्क दिया था कि एफआईआर, जांच और आरोपपत्र कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण थे, और दावा किया था कि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्व अनुमति प्राप्त नहीं की थी, जिससे कार्यवाही अमान्य हो जाती है।

तमिलनाडु चुनाव के जोरदार माहौल के बीच विजय ने रद की कई रैलियां, डीएमके ने 'डब्ल्यूएफएच' कहकर कसा तंज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। करीब 8 दिन बाद प्रचार के शोर थम जाएगा। इसी बीच टीवीके ने कई ऐसे कार्यक्रम रद कर दिए हैं, जहां विजय को सीधे मतदाताओं से जुड़ना था।

15 मार्च को चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद से, विजय ने चुनाव आयोग से अनुमति मिलने के बावजूद प्रचार के कई कार्यक्रम रद कर दिए हैं। पार्टी ने इन अचानक रद किए गए कार्यक्रमों के पीछे के स्पष्ट कारणों का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है।

विजय इस चुनाव में चर्चा का एक मुख्य विषय हैं, उन्होंने 30 मार्च को अपना नामांकन दाखिल किया। जिसके बाद उन्होंने पेरम्बूर में प्रचार किया, जहां से वे चुनाव लड़ रहे हैं और फिर कोलाथुर में प्रचार किया।

विल्लीवाक्कम में होने वाला एक कार्यक्रम रद कर दिया गया, जिसके लिए टीवीके ने पुलिस की ओर से सुरक्षा चूक का हवाला दिया। इसके बाद विजय ने 2 अप्रैल को तिरुचिरापल्ली पूर्व में प्रचार किया, जो एक और सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। 6 अप्रैल को टी नगर और विल्लीवाक्कम में होने वाले रोड शो को भी रद कर दिया गया, जिसके लिए पार्टी ने समय की कमी का हवाला दिया। 8 अप्रैल को विजय ने तिरुनेलवेली और थूथुकुडी में एक रोड शो किया लेकिन 9 अप्रैल को कुड्डालोर में होने वाला कार्यक्रम रद कर किया। विजय ने 11 अप्रैल को कुड्डालोर और 13 अप्रैल को तिरुवल्लूर में होने वाली बैठक भी रद कर दी। विजय के कई रैलियों में शामिल ने होने के फैसले पर विरोधी पार्टियों, जिनमें सत्ताधारी DMK भी शामिल है, उसने तीखे तंज कसे हैं। डीएमके ने कहा कि विजय घर बैठ ही अपना चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

राज्य के उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे, उदयनिधि स्टालिन ने भी तंज कसते हुए कहा है कि जहां कुछ नेता जमीन पर उतरकर लोगों से जुड़ने के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, वहीं कुछ नेता रुक-रुककर चुनाव प्रचार करते हैं। एक तरफ जहां सीएम स्टालिन, AIADMK के महासचिव पलानीस्वानमी और NTK के प्रमुख सीमान जैसे दिग्गज नेता पूरे राज्य में जोरदार चुनाव प्रचार कर रहे हैं, वहीं विजय की रैलियां रद होने की वजह से TVK पर काफी दबाव है। चुनाव प्रचार की समय सीमा समाप्त होने से पहले, विजय को अभी भी कई जिलों का दौरा करना बाकी है।

जाति जनगणना पर जयराम रमेश का बड़ा हमला, बोले- मोदी सरकार का है छिपा हुआ एजेंडा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जाति जनगणना कराने से बच रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए सरकार के पिछले कुछ वर्षों के बदलते रुख को उजागर करते हुए इसे देश को गुमराह करने वाला बताया। जयराम रमेश ने सरकार के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए लिखा, 'जुलाई 2021 में, सरकार ने लोकसभा में कहा था कि एससी (रउ) और एसटी (रळ) के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी। सितंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर इसे एक नीतिगत निर्णय बताया गया था। अप्रैल 2024 में, प्रधानमंत्री ने जाति जनगणना की मांग को 'अर्बन नक्सल मानसिकता' करार दिया था। अप्रैल 2025 में, सरकार ने अचानक घोषणा की थी कि आगामी जनगणना के हिस्से के रूप में जाति जनगणना कराई जाएगी। कांग्रेस नेता ने रजिस्ट्रार जनरल द्वारा मार्च 2026 में दिए गए बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि पूरी जनगणना डिजिटल होने के कारण इसके परिणाम 2027 तक उपलब्ध हो जाएंगे। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि अब सरकार अनुच्छेद 334-अ में संशोधन कर यह क्यों कह रही है कि परिणामों में कई साल लगेंगे? उन्होंने उदाहरण दिया कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने छह महीने से भी कम समय में जातिगत सर्वेक्षण पूरा कर लिया था। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश में भ्रम फैला रहे हैं और सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित प्रावधानों में बदलाव करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार का 'छिपा हुआ एजेंडा' यही है कि जाति जनगणना को कभी धरातल पर न उतरने दिया जाए और इसे तकनीकी कारणों से लटकाए रखा जाए।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मु ने जताया आशा भोसले के निधन पर दुख, शाह-राजनाथ और राहुल ने भी दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मशहूर सिंगर आशा भोसले हमारे बीच नहीं रही हैं। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने 92 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। गायिका आशा भोसले के निधन से संगीत जगत में एक गहरा सन्नाटा छा गया है। हर कोई आशा भोसले की निधन की खबर से 'स्तब्ध' है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु समेत उनके प्रशंसक और संगीत प्रेमी उनके निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। पीएम मोदी, अमित शाह, पीयूष गोयल, राजनाथ सिंह और राहुल गांधी समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने श्रद्धांजलि दी है।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आशा भोसले के साथ तस्वीरें साझा करते हुए अपने ट्विटर अकाउंट एक्स पर लिखा, 'भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। दशकों तक फैले उनके असाधारण संगीतमय सफर ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ।चाहे उनकी भावपूर्ण धुनें हों या जीवंत रचनाएं, उनकी आवाज में एक शाश्वत चमक थी। उनके साथ बिताए पलों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।' पीएम मोदी ने आगे लिखा, 'उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी संवेदनाएं। वह पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।'

राष्ट्रपति मुर्मु ने व्यक्त की संवेदना

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने एक्स पर लिखा, 'आशा भोसले के निधन से संगीत की दुनिया में एक बहुत बड़ा खालीपन आ गया है। एक महान गायिका के तौर पर उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक पूरे दौर को परिभाषित किया है। उनके साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने की मेरी बहुत प्यारी यादें हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया शोक

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बात करते हुए उनके निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, ' भारत के लिए और विश्व के संगीत प्रेमियों के बहुत ही दुख की बेला है। सबसे बहुमुखी कलाकार के रूप में जिनको जाना गया, ऐसी आशा ताई इनका दुख निधान हुआ है। भारत के इतिहास में उन्होंने जो संगीत की सेवा की है, मंगेशकर परिवार ने जो संगीत की सेवा की है।' लता दी के रूप में हमने संगीत का पहला तारा लुप्त होते देखा और अब दूसरा तारा भी लुप्त हुआ है उसका मुझे दुख है। अपने 90वें जन्मदिन पर तीन घंटे गाने वाली पहली गायिका हैं काम किया और ऐसी कोई भाषा नहीं है भारत की जिसमें गाने ना गाये हों। ऐसी कोई भाषा नई है भारत की जिसमें वे शामिल हो गए नई हो।

अमित शाह ने क्या कहा?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, 'आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुःखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं। आशा ताई ने न सिर्फ अपनी मधुर आवाज और अद्वितीय प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई, बल्कि अपने सुरों से भारतीय संगीत को भी और अधिक समृद्ध किया। हर तरह के संगीत में ढल जाने की उनकी अनोखी प्रतिभा हर व्यक्ति का दिल जीत लेती थी। अपनी आवाज से करोड़ों दिलों को छूने वालीं आशा जी ने हिंदी, मराठी, बांग्ला, तमिल, गुजराती सहित अनेक भाषाओं के साथ-साथ लोकगीतों में भी अमिट छाप छोड़ी।

राजनाथ सिंह ने भी व्यक्त किया शोक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, 'भारत की सुर सम्राज्ञी आशा भोसले का निधन मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है। पार्श्व गायिका के रूप में उन्होंने हजारो फिल्मों एवं संगीत एल्बम्स में अपनी आवाज दी। उनके गाये हुए गीतों को भारत की कई पीढ़ियों ने सुना और गुनगुनाया है। उनके सुमधुर गीतों की गूंज सदैव बनी रहेगी। आशा भोसले जी का निधन संगीत और जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति!'

उनकी आवाज केवल सूरों का संगम नहीं...

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, 'मधुर वाणी और अद्वितीय गायकी की प्रतिमूर्ति दीदी आशा भोसले ने दशकों तक भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी आवाज केवल सुरों का संगम नहीं, बल्कि भावनाओं का ऐसा अनकहा रिश्ता है जिसे शब्दों में बांध पाना संभव नहीं है। एक ऐसा जुड़ाव जो हर दिल में सदा जीवित रहेगा। उनके गाए गीत आने वाली पीढ़ियों तक यूं ही गूंजते रहेंगे।

राहुल गांधी ने भी व्यक्त किया शोक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, 'महान गायिका आशा भोसले जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनकी आवाज के माध्यम से उनकी कला सदा हमारे बीच अमर रहेगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ है।'

नितिन गडकरी ने क्या कहा?

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, 'भारतीय संगीत जगत की मशहूर और दिग्गज हस्ती गायिका पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। उनके साथ मेरे पारिवारिक संबंध रहें है। उनका जाना भारत के संगीत क्षेत्र की अपरिमित क्षति है। अपनी विलक्षण प्रतिभा से आशा जी ने संगीत के क्षितिज पर अपनी एक अलग पहचान बनाई। नया दौर, तीसरी मंजिल, हरे रामा हरे कृष्णा, उमराव जान के साथ साथ इजाजत और रंगीला जैसे वक्त और पीढ़ियों के साथ बदलती कई मशहूर फिल्में और गीत आशा जी ने अपने स्वर से अजरामर किए है। प्लेबैक सिंगर के रूप में भी उन्होंने कई यादगार गाने दिए।

संपादक की कलम से

नए युग का भारत और बदलती शिक्षा

आज का भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में जाना जा रहा है। किसी भी देश की प्रगति का आधार उसकी शिक्षा प्रणाली है। ₹उड़ता हुआ भारत₹ का सपना तभी साकार हो सकता है जब हमारी शिक्षा प्रणाली ₹उड़कतीर₹ हो, अर्थात समय की हानी और अग्रगामी हो। आज भारत अपनी पुरानी परंपराओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर शिक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत आज एक तेजी से विकासशील देश है, जिसे अक्सर 'उत्साही भारत' कहा जाता है। अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, उद्योग और अंतर्विषयक क्षेत्र में प्रगति ने देश को वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थान दिया है। लेकिन इस उभरते भारत की असली ताकत उसकी शिक्षा प्रणाली में छिपी हुई है। यदि शिक्षा उच्च उड़ान भरती है, तो देश भी नई ऊंचाइयों को छूता है। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की नींव है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव से ऑनलाइन शिक्षा ने नया रूप ले लिया है। स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सामग्री ने छात्रों के लिए सीखना आसान और दिलचस्प बना दिया है। अब शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छात्र दुनिया भर की जानकारी तक पहुंच सकते हैं। नई शिक्षा नीति ने भी शिक्षण को अधिक लचीला और छात्र-केंद्रित बनाने का प्रयास किया है। कौशल आधारित शिक्षा, रचनात्मकता और नवविचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये परिवर्तन छात्रों को न केवल नौकरियों के लिए बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। लेकिन इस उड़ती हुई शिक्षा के साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। गांवों में अभी भी डिजिटल उपकरणों की कमी है, और शिक्षा की गुणवत्ता में असमानता भी दिखाई देती है। बहुत से बच्चे अभी भी बुनियादी सुविधाओं से दूर हैं। यदि भारत को वास्तव में आगे बढ़ाना है, तो शिक्षा को हर कोने तक पहुंचाया जाना चाहिए। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि अच्छे नागरिक बनाने का माध्यम भी है। जब शिक्षा उच्च स्तर पर पहुंचती है, तो समाज में विचारशीलता, नैतिकता और सहयोग की भावना भी बढ़ती है। पंजाब और शैक्षिक क्रांति यदि हम पंजाब की बात करें, तो यहां भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। 'स्कूल ऑफ एमिनेन्स' जैसी पहलों ने सरकारी स्कूलों का महाराज बदल दिया है। छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं (जेई/एनआईटी) के लिए तैयार करना और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजना इस 'उड़ती हुई शिक्षा' के जीवित उदाहरण हैं। चुनौतियां और समाधान यद्यपि हम प्रगति कर रहे हैं, फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं : अमीर-गरीब का अंतर : महंगी निजी शिक्षा के कारण गरीब बच्चों के लिए उच्च शिक्षा अभी भी एक सपना है। बुनियादी ढांचा : कई ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और बिजली की कमी डिजिटल शिक्षा के लिए एक बाधा है। मानसिक स्वास्थ्य : परीक्षाओं का बढ़ता बोझ बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, जिसके लिए शिक्षा प्रणाली में 'भावनात्मक शिक्षा' को शामिल करना अनिवार्य है। अंत में, भारत का विकास, उड़ती हुई शिक्षा एक सुंदर सपना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकती है। यदि हम सभी मिलकर शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रयास करें। यही वह रास्ता है जो भारत को वास्तव में सार्वभौमिक बनाता है।

ललित शर्मा
संपादक

मेरी आस

उदय किशोर साह

कविता

बदरा बन कर बरसा दो मेरी आस
बुझा दो मेरी प्रीत की तुम प्यास
परिन्दा की तरह उड़ जाऊँ मैं गगन
बह रही है मेरे संग संग प्यारी पवन

पहाड़ों के तन पे छाई है हरियाली
तन्हा मन मेरा है यहाँ खाली खाली
दिन रात गाऊँ मैं होकर अब मगन
बह रही है मेरे संग संग प्यारी पवन

बागों की कलियाँ देखो चटख आई
फिजां की रंगत देख वो भी मुस्कुराई
जैसे राधा संग डोले प्रेम। में मदन
बह रही है मेरे संग संग प्यारी पवन

सागर के सीने से उठता तीव्र ज्वार
मोहब्बत की बह रही चहूँओर बयार
मुरझा ना जाये मेरे मन की चमन
बह रही है मेरे संग संग प्यारी पवन

दो हंसों का देखो तालाब में है डेरा
दोनों लगा रहे हैं प्रेम की संग फेरा
बहक ना जाऊँ प्रेम में मैं जानेमन
बह रही है मेरे संग संग प्यारी पवन

क्या 'सभ्यताओं का संघर्ष' है अमेरिका+इजराइलईरान युद्ध ?

तनवीर जाफरी
लेखक

अमेरिका -इस्त्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध को विश्व राजनीति में अनेक दृष्टिकोणों से परिभाषित किया जा रहा है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों की राय है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा विश्व की तेल संपदा पर नियंत्रण करने की एक जानी पहचानी चाल है जिसे ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने के प्रयासों के बहाने युद्ध के रूप में अंजाम दिया जा रहा है। कुछ का मत है कि यह शस्त्र निमार्ता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्त्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्त्राईल ईरान को अपने सपनों के 'ग्रेटर इस्त्राईल ' के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिये से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग 'सभ्यताओं के संघर्ष' की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है ? क्या है और कहाँ से शुरू हुई 'सभ्यताओं का संघर्ष' की यह अवधारणा ? दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में Foreign Affairs पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख 'The Clash of Civilizations ?' के माध्यम से व्यक्त किये थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक The Clash of Civilizations and the Remaking of World Order में प्रस्तुत किये गये। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगभग 58 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया। 'सभ्यताओं के संघर्ष' का सिद्धांत उन्हीं के द्वारा व्यक्त किया गया विचार है जिसे 'हंटिंगटन के सिद्धांत' के रूप में भी जाना जाता है। यह थ्योरी अमेरिका में हुये 9/11 के हमलों के बाद और भी चर्चित हुई और आज भी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसका समय समय पर जिक्र होता रहता है। वर्तमान अमेरिका -इस्त्राईल -ईरान युद्ध के दौरान इसतरह की चर्चा एक बार फिर तेज हो गयी है। तो क्या अमेरिका द्वारा मध्य एशिया पर थोपी गयी जंग को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ी दो अलग अलग 'सभ्यताओं के संघर्ष' के रूप में परभाषित किया जा सकता है या परिभाषित किया जाना चाहिए ? सबसे पहले तो यदि मुख्य रूप से मध्य एशिया में युद्धरत इन तीन देशों को ही देखें तो ईरान जहाँ शिया मुस्लिम बाहुल्य देश है वहीँ इस्त्राइल एक यहूदी बाहुल्य मुल्क है जबकि युद्ध में उसका मुख्य सहयोगी अमेरिका एक ईसाई देश है। परन्तु इन तीनों ही देशों की सेनाओं में प्रत्येक धर्मों के लोग देखे जा सकते हैं। जहाँ इस्त्राईल की सेना इस्त्राईल डिफेंस फोर्सेज कर्ऊ्रमें आज भी अरब व ईसाई मूल के लोग बड़ी संख्या में स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीं अमेरिका में भी हजारों मुस्लिम अमेरिकी सेना का हिस्सा हैं। यहाँ तक कि अमेरिका में कई महत्वपूर्ण अधिकारी स्तर के पदों पर भी कई मुस्लिम तैनात हैं। IDF व वर मिलिट्री दोनों ही जगह मुस्लिम सैनिकों को नमाज,रोजा व हलाल खाने जैसे सभी धार्मिक अधिकार व सुविधायें हासिल हैं। इसी तरह ईरान की सेना में भी ईसाई और यहूदी दोनों ही मूल के सैनिक कार्यरत हैं। वैसे भी चूँकि ईरान में 18 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष नागरिकों के लिए 2 साल की अनिवार्य सैन्य सेवा है, जिसमें ईसाई, आर्मेनियन और असिरियन, यहूदी और जोरोस्ट्रियन जैसे सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। पिछले दिनों अमेरिका ईरान युद्ध के दौरान भी एक ईसाई ईरानी सैनिक के शहीद होने पर ईरानी सत्ता प्रमुख स्व सैय्यद अली खामनेई ने उस ईसाई फौजी अधिकारी के घर पहुंचकर उसके परिवार को सांत्वना दी थी जिसकी वीडिओ काफी वायरल हुई थी। अब यदि इसी मध्य एशिया युद्ध को और बड़े सन्दर्भ में देखें तो भी हमें ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता जिससे इसे ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े 'सभ्यताओं के संघर्ष' के रूप में वर्णित किया जा सके। वर्तमान ईरानयूएसइस्त्राईल युद्ध में ईरान को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने वाले बड़े देशों में रूस का नाम प्रमुख रूप से लिया जा सकता है। रूस ने ईरान को वायुरक्षा, ड्रोन तकनीक और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की जिससे ईरान को आत्मरक्षा में भी आसानी हुई और वह इस्त्राईल व अमेरिकी ठिकानों पर भी कारगर हमले कर सका। जबकि रूस में भी सबसे बड़ा धर्म ईसाई धर्म है। खास तौर पर यहां रूढ़िवादी ईसाई रूस की कुल आबादी का लगभग 6070% हैं। यदि यह युद्ध 'सभ्यताओं का संघर्ष' होता तो उस लिहाज से रूस ईसाई बाहुल्य अमेरिका के साथ खड़ा नजर आता न कि मुस्लिम बाहुल्य देश ईरान के साथ ? इसी तरह चीन ने भी इस युद्ध के दौरान आयरन डोम से लेकर अत्याधुनिक संचार व सूचना प्रणाली तक सब कुछ मुहैय्या कराया। यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस व चीन ईरान के साथ मजबूती से खड़े रहे। चीन भी आधिकारिक तौर पर एक नास्तिक व धर्म निरपेक्ष देश है परन्तु यहाँ सबसे बड़ी धार्मिक आबादी बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ़्यूज़ियसवाद के अनुयायियों की है। इनमें से किसी वर्ग का इस्लाम से कोई मेल नहीं खाता। फिर भी चीन ईरान के साथ डटकर खड़ा रहा। इसके अतिरिक्त फ्रांस,स्पेन,इटली जैसे कई ईसाई बाहुल्य देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की आलोचना कर यह जता दिया कि यह ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ा दो अलग अलग 'सभ्यताओं का संघर्ष' कतई नहीं। इसी तरह सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,बहरीन,कतर,कुवैत,जॉर्डन ,मिस्र व मोरक्को जैसे अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों ने परोक्ष या अपरोक्ष रूप से यहाँ तक कि अपने देशों में अमेरिकी व अन्य पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डे उपलब्ध कराकर ईरान की खुलकर मुखालिफत भी की। इसलिये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि किसी भी युद्ध को धार्मिक युद्ध या 'सभ्यताओं का संघर्ष' के रूप में नहीं परिभाषित किया जाना चाहिए। क्योंकि प्रायः लगभग हर युद्ध के मूल में शक्तिसंतुलन, वर्चस्व, संसाधन, हथियों की होड़, व्यवसायिकता, विस्तारवाद, पूंजीवाद, साम्यवाद व तरह तरह की राजनीति ही रही है। वर्तमान युद्ध भी जहाँ तेल संसाधनों पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि का परिणाम है वहीँ यह इस्त्राईल की विस्तारवादी नीति व महत्वाकांक्षाओं का भी नतीजा है। इस युद्ध को ईसाई-मुस्लिम युद्ध कहना न तो सही है, न ही उपयोगी। हाँ ऐसे विचारों को हवा देने से आपसी समझ बढ़ने के बजाय सामाजिक विभाजन ही बढ़ने की प्रबल संभावना है। युद्ध की वास्तविकता को समझने के लिये भू-राजनीति, इतिहास और शक्ति संतुलन को देखना जरूरी है, न कि केवल किसी देश की बहुसंख्य आबादी का धर्म। इस आधार पर सैमुअल पी. हंटिंगटन द्वारा पेश किये गये 'सभ्यताओं के संघर्ष' के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कूटनीति की चाट पकौड़ी

रवि अरोड़ा

समझ नहीं आ रहा कि हम स्वयं को 'विश्वगुरु' किस आधार पर कहते रहते हैं ? क्यों इस मामले में मोदी जी और मोहन भागवत जी का आत्मविश्वास इतना है कि जैसे बस अगला संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र हमारे प्रवचन से ही शुरू होगा ? क्यों दावे कुछ ऐसे हैं जैसे दुनिया के सारे विवाद अब हमारी पंचतंत्र जैसी कहानियों से ही सुलझाए जाएंगे ? लफ्फाजी भी कुछ ऐसी जैसे कथा वाचन का ठेका हमारे पास ही है और दुनिया वही सुनेगी जो हम सुनाएंगे मगर यह क्या हुआ ? ताजा हालात देखकर तो लगता है कि गुरुजी क्लास लेने आए ही नहीं, और बच्चे पड़ोसी स्कूल में ट्यूशन पढ़ने चले गए। दुनिया देख रही है कि धरती के बड़े फैसलों में से एक की बिसात पाकिस्तान में बिछी और हम दूर खड़े अपनी ही विदेश नीति का पोस्टमार्टम देखते रहे। बेशक ईरान और अमेरिका इजराइल के बीच कोई भी समझौता नहीं हुआ मगर ताजा हालात से हमारी कूटनीति की जो चाट पकौड़ी बनी, उसकी गवाही देना किसी भी भारतीय के लिए किसी यातना से कम था क्या ?

ईरान अमेरिका और इजराइल जैसे जटिल समीकरणों के बीच जो दुनिया में कूटनीतिक शतरंज शुरू हुई उसमें अचानक पाकिस्तान की एंट्री ने सबको चौंकाया। जिस देश को हम अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग बताते नहीं थकते थे, वही बातचीत का मंच बन कर उभरा और मोदी सरकार की तमाम कूटनीतिक विफलताओं के चलते भारत को किसी ने टके सेर भी नहीं पूछा। जिस पाकिस्तान को हम हर दूसरे दिन 'असफल राज्य' घोषित करते थे वही अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की चौपाल सजाकर बैठा नजर आया। ईरान, इजराइल और अमेरिका जैसे देशों के बीच बातचीत की आंच वहीं सुलगी और 140 करोड़ लोगों का भारत इस पूरी प्रक्रिया में कहीं नहीं था। न मेजबान, न मध्यस्थ और न ही कोई अन्य महत्वपूर्ण भूमिका।

बेशक विदेश नीति कभी नारेबाजी का विषय नहीं होती। यकीनन यह एक सतत, संतुलित और बेहद सूक्ष्म कला है मगर इस दिशा में हमनें क्या किया ? आखिर क्या कारण रहा कि 'हम इजराइल के साथ हैं' कहने में हमनें जितनी ऊर्जा लगाई उतनी ही ऊर्जा 'हम ईरान के भी मित्र हैं' कहने में नहीं दिखाई ? क्यों इजराइल से दोस्ती का ढिंढोरा पीटकर और अमेरिका का पिछलग्गू बन कर अपनी निष्पक्षता की छवि मिट्टी में मिलवाई ? नतीजा सामने है और एक पुराने और भरोसेमंद रिश्ते में दरारें पड़ गईं और नए रिश्ते भी उतने मजबूत नहीं बन पाए जितनी उम्मीद थी। बेशक अमेरिका से नजदीकी रखना बुरा नहीं, इजराइल के साथ सहयोग बढ़ाना भी गलत नहीं, लेकिन सवाल यह है कि इस प्रक्रिया में हमने अपनी पारंपरिक संतुलन नीति को क्यों खो दिया ? क्यों हम इतने उत्साहित हो गए कि पुराने मित्रों की भावनाओं को ही नजरअंदाज कर बैठे ? और अब जब दुनिया के बड़े खिलाड़ी बातचीत की मेज सजा रहे थे तो भारत की कुर्सी खाली नजर आई। क्या यह वही भारत है जो कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन का अगुआ था, जो शांति वाताओं का स्वाभाविक मंच माना जाता था ?

आज वही भारत दर्शक दीर्घा में बैठा हुआ था, कभी ताली बजाता हुआ, कभी सिर हिलाता हुआ। आखिर हमें कब समझ आयेगा कि कूटनीति में संतुलन नाम की भी कोई चीज होती है। यह किसी टीवी डिबेट जैसी होती है क्या ? हमने कैसे सोच लिया कि अंतरराष्ट्रीय संबंध भी व्हाट्सऐप ग्रुप की तरह चलते हैं, जिसे चाहा ऐड कर लिया, जिसे चाहा म्यूट कर दिया। लेकिन असल दुनिया में 'म्यूट' किया गया देश कभी-कभी पूरी बातचीत को ही कहीं और शिफ्ट कर देता है, जो अब हुआ।

इस पूरे प्रकरण में सबसे अधिक रहस्यमय रही बड़ी बड़ी घटनाओं पर भी भारत की खामोशी। आमतौर पर हर मुद्दे पर मुखर रहने वाले मोदी और उनकी टीम इस बार जैसे मौन ही साधे बैठी रही। न कोई तीखा बयान, न कोई बड़ा कूटनीतिक संकेत। यह खामोशी क्या रणनीतिक थी या असमंजस की प्रतीक, यह समझना थोड़ा मुश्किल है। दुनिया जानती है कि भारत की ताकत कम नहीं हैं। आर्थिक क्षमता, सामरिक स्थिति, और वैश्विक स्वीकार्यता, सब कुछ तो है हमारे पास।

बस जरूरत सिर्फ इस बात की है कि हम अपनी विदेश नीति को फिर से गंभीरता, संतुलन और निरंतरता के साथ देखें। हमें यह समझना होगा कि कूटनीति ट्विटर ट्रेंड से नहीं चलती। न ही यह केवल भावनात्मक नारों पर टिकती है। यह रिश्तों की बारीक बुनाई है, जहाँ हर धागा मायने रखता है, पुराने भी, नए भी।

शायद यही समय है कि हम 'विश्वगुरु' होने का दावा करने से पहले हम विश्व का एक विश्वसनीय, संतुलित और परिपक्व भागीदार बनने पर ध्यान दें। क्योंकि गुरु वही बन सकता है जिसमें शिष्य की तरह सीखने की विनम्रता हो न कि झूठा दंभ। चाय-पकौड़ी जैसी बहसों के सिद्धहस्त हमारे नेताओं को अभी सीखना होगा कि लफ्फाजी से निकलकर असली कूटनीतिक मेज तक कैसे पहुंचा जाए।

बाबा साहेब का सपना: समानता और न्याय पर आधारित भारत

मुकेश सैनी
लेखिका

भारत के महान विधिवेत्ता, संविधान निमार्ता और समाज सुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहाँ हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार, अवसर और सम्मान मिले। उनका जीवन सामाजिक न्याय, समानता और मानव गरिमा के लिए समर्पित रहा। 14 अप्रैल 1891 को महू में जन्मे बाबा साहेब ने बचपन में भेदभाव और अपमान सहा, लेकिन इन्हीं संघर्षों ने उन्हें समाज परिवर्तन का योद्धा बनाया। उच्च शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने देश लौटकर वंचितों और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। संविधान से मिला समानता का अधिकार, महिलाओं, दलितों और वंचितों को मिला कानूनी संरक्षण। भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में बाबा साहेब ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को राष्ट्र की नींव बनाया। उन्होंने महिलाओं, श्रमिकों और कमजोर वर्गों के अधिकारों को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। महिला सशक्तिकरण के लिए उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हिंदू कोड बिल के माध्यम से उन्होंने महिलाओं को संपत्ति, विवाह और अधिकारों में समानता दिलाने का प्रयास किया। डॉ. अंबेडकर का मानना था कि शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से दलितों और महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया और इसे सामाजिक क्रांति का आधार बताया। दूरदर्शी सोच : विदेश नीति, पंचायत और जनसंख्या, समय से पहले ही दीं कई महत्वपूर्ण चेतावनियाँ बाबा साहेब ने विदेश नीति में लोकतांत्रिक देशों के साथ मजबूत संबंधों की आवश्यकता बताई। पंचायत व्यवस्था को लेकर उन्होंने सामाजिक असमानता के खतरे की ओर संकेत किया, जो आज भी कई जगह देखने को मिलता है। जनसंख्या नियंत्रण और नारी सशक्तिकरण को उन्होंने देश के विकास के लिए अनिवार्य बताया। डॉ. अंबेडकर ने जल संरक्षण और सिंचाई को राष्ट्रीय विकास का आधार माना। उन्होंने नदियों को जोड़ने, बांध निर्माण और जल संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण विचार दिए। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' और 'अंत्योदय' जैसी नीतियाँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का प्रयास कर रही हैं। जन-धन योजना, स्वच्छ भारत और डिजिटल इंडिया जैसी पहलें इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन और विचार आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। उनका सपना केवल एक समान भारत का नहीं, बल्कि एक सशक्त, शिक्षित और न्यायपूर्ण राष्ट्र का था। आज का भारत उसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

दूधिया साजिश

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा
लेखक

अमावस की उस भारी रात में, शहर की आखिरी सीमा पर बसे उस ढाबे की बत्तियां रह-रहकर झपक रही थीं। जब वेटर ने मेज पर वह मटमैली कड़ाही रखी, तो मसालों की तीखी गंध के पीछे से एक ऐसी गंध उभरी जो किसी पुरानी फैक्ट्री के जलते हुए रबर की याद दिला रही थी। तरी के उस लाल खौलते दरिया के बीच वह सफेद क्यूब ऐसे पड़ा था, जैसे किसी कब्रिस्तान की शांति के बीच एक ताजा सफेद कफन। मैंने चम्मच उठाया और उसे काटने की कोशिश की, पर वह कटा नहीं। वह तो बस एक तरफ झुक गया, जैसे कोई मृत देह दबाव पाकर अपनी दिशा बदल लेती है। उसकी सतह इतनी चिकनी और कृत्रिम थी कि रोशनी उससे टकराकर वापस लौट रही थी। वह पनीर नहीं था, वह तो दूध के वेश में आया कोई ऐसा सिंथेटिक अभिशाप था जिसे किसी अंधेरी लैब में रसायनों और प्लास्टिक की नसों से बुना गया था। जैसे ही मैंने उस टुकड़े को थाली के किनारे पर दबाया, एक ऐसी मद्धम और डरावनी आवाज आई जैसे कोई पुराना चमड़ा खींच रहा हो। वह वापस अपनी मूल आकृति में लौट आया, जैसे उसमें कोई अपनी मर्जी की जान बसी हो। उसे देखकर मन में पहला विचार यही कौंधा कि क्या इसे किसी गाय के थन से निकाला गया है या किसी पुराने ट्रक के टायर को पिघलाकर सांचों में ढाला गया है। उसकी सफेदी में वह मासूमियत नहीं थी जो भूख मिटाती है, बल्कि वह भयावह चमक थी जो आगाह कर रही थी कि यहाँ से वापसी का रास्ता बंद है। चम्मच और उस पत्थर जैसे टुकड़े के बीच का वह संघर्ष किसी युद्ध से कम नहीं था, जहाँ जीत हमेशा उस निर्जीव रबर की ही हो रही थी। वह ग्रेवी को अपने शरीर पर ऐसे सरका रहा था जैसे कोई चिकना सांप कीचड़ से निकल जाता है। जब वह टुकड़ा दांतों के बीच पहुंचा, तो असली भयावहता का अहसास हुआ। वह चबाने पर कटता नहीं था, बल्कि दांतों और मसूड़ों के बीच एक ऐसा तनाव पैदा कर रहा था जैसे कोई किसी मजबूत इलास्टिक को फाड़ने की कोशिश कर रहा हो। उसे जितना दबाया गया, वह उतना ही कठोर और प्रतिरोधी होता गया। ऐसा लगा जैसे मुंह के अंदर कोई जीवित परजीवी प्रवेश कर गया है जो कटने के बजाय आपके जबड़ों की ताकत को ही सोख रहा है। उसकी कोई अपनी पहचान नहीं थी, कोई स्वाद नहीं था, बस एक अंतहीन खिंचाव था जो किसी पुरानी हवेली के जंग लगे दरवाजे के चरमराने जैसा शोर आपके कानों के भीतर पैदा कर रहा था। वह रबर का अहसास जीभ पर एक ऐसी ठंडी सिहरन छोड़ गया जो किसी ठंडे हाथ के स्पर्श जैसी थी। उसे निगलने का प्रयास उस रात की सबसे बड़ी गलती साबित हुई। वह गले के नीचे उतरा नहीं, बल्कि सरक कर एक ऐसी जगह अटक गया जहाँ से सांस लेना एक चुनौती बन गया। वह पनीर का टुकड़ा आपके भीतर जाकर पिघलने वाला नहीं था, बल्कि वह तो वहां एक स्थाई बुत बनकर स्थापित होने के लिए आया था। पेट के भीतर पहुंचते ही एक ऐसा भारीपन महसूस हुआ जैसे किसी ने पिघला हुआ सीसा डाल दिया हो। वह रबर का घन अब आपके पाचन तंत्र का मजाक उड़ा रहा था। उसे लगा कि वह अब आपकी नसों में सफेद जहर बनकर दौड़ेगा। उसकी बनावट में वह जिद थी जो केवल उन वस्तुओं में होती है जिन्हें जलाया तो जा सकता है पर कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। वह आपके भीतर के अंधेरे में एक सफेद चमकता हुआ खौफ बन गया था। उस ढाबे का सन्नाटा अब और भी गहरा हो गया था।

बारहवीं कक्षा के बाद सही कैरियर पाठ्यक्रम का चयन: सफलता का मार्ग

डॉ विजय गर्ग
लेखक

बारहवीं कक्षा का पूरा होना एक छात्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह वह चरण है जहां किसी को अपने भविष्य के करियर की दिशा तय करनी होगी। आज उपलब्ध विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, सही पाठ्यक्रम चुनना भारी पड़ सकता है। हालाँकि, उचित मार्गदर्शन, आत्म-जागरूकता और अवसरों की समझ के साथ, छात्र सूचित निर्णय ले सकते हैं जो पूर्ण करियर की ओर ले जाते हैं। अपनी रुचियों और ताकत को समझना पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम आत्म-मूल्यांकन है। छात्रों को पाठ्यक्रम चुनने से पहले अपनी रुचियों, कौशल और योग्यता की पहचान करनी चाहिए। साथियों के दबाव या सामाजिक अपेक्षाओं की बजाय जुनून पर आधारित करियर चुनने से अक्सर दीर्घकालिक संतुष्टि और सफलता मिलती है। विज्ञान छात्रों के लिए कैरियर विकल्प विज्ञान क्षेत्र के छात्रों के पास विविध अवसर हैं। पारंपरिक पथों में इंजीनियरिंग (बी.टेक), मेडिसिन (एमबीबीएस) और फामेर्सी (बी.फार्म) शामिल हैं। इनके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्र भी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रम भी आशाजनक विकल्प हैं। वाणिज्य छात्रों के लिए कैरियर विकल्प वाणिज्य के छात्र बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम), चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) जैसे पाठ्यक्रमों का पता लगा सकते हैं। वित्त, बैंकिंग, प्रबंधन और उद्यमिता में करियर उत्कृष्ट विकास की संभावनाएं प्रदान करता है। डिजिटल बाजारों के उदय के साथ, ई-कॉमर्स और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) जैसे क्षेत्र भी विस्तार कर रहे हैं। कला/मानवता विज्ञान के छात्रों के लिए कैरियर विकल्प कला के छात्रों के पास कैरियर विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला होती है, जिसमें स्नातक कला (बीए), पत्रकारिता, कानून (एलएलबी), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान शामिल हैं। जनसंचार, फैशन डिजाइनिंग और ललित कला जैसे रचनात्मक क्षेत्र भी रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं। सिविल सेवा कई मानविकी छात्रों के लिए एक लोकप्रिय लक्ष्य बनी हुई है। व्यावसायिक और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में, कौशल-आधारित शिक्षा तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, एनीमेशन, होटल प्रबंधन और पर्यटन के पाठ्यक्रम व्यावहारिक ज्ञान और तेजी से रोजगार प्रदान करते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को उद्योग से संबंधित कौशल प्राप्त करने में भी मदद करते हैं। कैरियर परामर्श का महत्व कैरियर परामर्शदाताओं, शिक्षकों और पेशेवरों से मार्गदर्शन प्राप्त करने से छात्रों को विभिन्न करियर पथों को समझने में मदद मिल सकती है। परामर्श सत्र, योग्यता परीक्षण और कैरियर सेमिनार निर्णय लेने में स्पष्टता और आत्मविश्वास प्रदान कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी और उभरते करियर की भूमिका प्रौद्योगिकी कार्य के भविष्य को आकार दे रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग में करियर की अत्यधिक मांग है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

राज्य स्तरीय महिला युवा संसद का आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। मेरा युवा भारत, उत्तर प्रदेश, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, लखनऊ द्वारा इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 'नारी शक्ति विकसित भारत की आवाज' विषय पर राज्य स्तरीय महिला युवा संसद का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का उद्घाटन डॉ. बबीता सिंह चौहान, अध्यक्षा, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वंदे मातरम् की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय निदेशक अनिल कुमार सिंह द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया।

उन्होंने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की ।कार्यक्रम में युवाओं द्वारा संगीतमय प्रार्थना की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। अपने उद्बोधन में डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि देश की सशक्त नींव युवा पीढ़ी है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाएं निरंतर सशक्त हो रही हैं। उन्होंने युवाओं से महिला-पुरुष समानता की सोच विकसित करने तथा दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि बेबी रानी मौर्य,कैबिनेट मंत्री (महिला कल्याण, महिला एवं बाल विकास एवं पोषण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) तथा विशिष्ट अतिथि राजेश्वर सिंह , उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ।मुख्य अतिथि बेबी रानी मौर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना विकसित भारत की परिकल्पना अधूरी है। उन्होंने युवाओं, विशेषकर युवतियों को आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया ।उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांव की महिलाएं दिनभर अनेक प्रकार के कार्य करती हैं, जिनका कोई आर्थिक मूल्यांकन नहीं होता, फिर भी वे परिवार और समाज की रीढ़ बनी हुई हैं।

उन्होंने महिलाओं की दैनिक दिनचर्या का उल्लेख करते हुए उनके परिश्रम, समर्पण और बहुआयामी भूमिका को सराहा ।उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं में पारदर्शिता और ईमानदारी की भावना स्वाभाविक रूप से विद्यमान होती है, क्योंकि वे अपने समय का सदुपयोग करती हैं और अनावश्यक कार्यों में समय व्यर्थ नहीं करतीं ।कार्यक्रम के अगले सत्र में नारी शक्ति महिला युवा संसद के अंतर्गत महिलाओं द्वारा युवा संसद कार्यक्रम की विषय-वस्तु पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए।

युवा संसद कार्यक्रम के समापन समारोह में राजेश्वर सिंह के द्वारा प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया ।कार्यक्रम का संचालन कुशलतापूर्वक कीर्ति शुक्ला द्वारा किया गया, जिसमें महिला सशक्तिकरण, समान भागीदारी तथा न्याय की मूल अवधारणा पर प्रभावपूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में उप निदेशक विकास सिंह, जागृति पाण्डेय, आकर्ष दीक्षित, माहे आलम, अनुपम कुमार, सोनिका चंद्रा एवं विभिन्न जिलों से आए जिला युवा अधिकारीगण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि मुख्य रूप से उपस्थित रहे तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 1200 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया ।अंत में राज्य निदेशक गोपेश पाण्डेय द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विवादित स्थल पर जेसीबी मशीन से खुदाई शुरू, ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर निर्माण कार्य रुकवाया

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत की कलीनगर नगर पंचायत में सार्वजनिक भूमि पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। रविवार को नगर पंचायत प्रशासन ने विवादित स्थल पर जेसीबी मशीन से खुदाई शुरू कराई, जिसके बाद ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया ।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत अध्यक्ष और प्रशासन जनहित की अनदेखी कर सार्वजनिक जमीन पर दुकानें बनाना चाहते हैं। जेसीबी मशीन द्वारा खुदाई शुरू होते ही स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में सैकड़ों लोग वहां पहुंच गए।

उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और प्रशासनिक तानाशाही का आरोप लगाया। आक्रोशित भीड़ को देखकर जेसीबी चालक को अपनी मशीन लेकर मौके से भागना पड़ा।

विरोध कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि पर कॉम्प्लेक्स बनाने का प्रस्ताव है, वहां पहले एक सुलभशौचालय और जर्जर आयुर्वेदिक अस्पताल था ।ग्रामीणों की मांग है कि इस बेशकीमती जमीन का उपयोग सार्वजनिक अस्पताल या रजिस्ट्री कार्यालय बनाने के लिए किया जाना चाहिए, जिससे पूरे क्षेत्र की जनता को लाभ मिल सके ।उनका तर्क है कि शहर के बीचों-बीच व्यावसायिक परिसर बनने से केवल कुछ लोगों को फायदा होगा, जबकि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से पूरी जनता जूझ रही है।

मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच कर जाँच पड़ताल में जुटी हैं।

पोस्ट से मचा बवाल, माफी से बदला माहौल- धर्मवीर के समर्थन में उठी आवाजें

अंबेडकर विवाद में यू-टर्न, युवक ने हाथ जोड़ मांगी माफी, अब रहम की मांग तेज

लुकमान खान

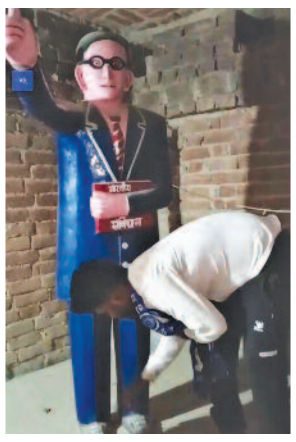

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ इंस्टाग्राम पर की गई आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में अब ऐसा मोड़ आया है जिसने पूरे घटनाक्रम का रुख बदल दिया है जहां पहले आक्रोश था वहीं अब माफी के बाद माहौल शांत होता नजर आ रहा है।

धर्मवीर नाम के युवक द्वारा की गई पोस्ट के वायरल होते ही मामला तूल पकड़ गया था और भीम आर्मी ने विरोध दर्ज कराते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था जिसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई।

इसी बीच धर्मवीर का एक वीडियो सामने आया जिसने पूरे मामले को नई दिशा दे दी वीडियो में युवक हाथ जोड़कर अपनी गलती स्वीकार करता नजर आ रहा है और साफ कह रहा है कि पोस्ट उससे अनजाने में हो गई थी उसका किसी की भावनाओं को आहत करने का कोई इरादा नहीं था वह भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न करने का भरोसा भी दे रहा है और सभी समाज के लोगों से माफी मांग रहा है। धर्मवीर के इस कदम के बाद अब जनभावना में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

जहां पहले गुस्सा था वहीं अब लोग इसे एक मानवीय भूल मानते हुए नरमी बरतने की बात कर रहे हैं कई स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि जब कोई अपनी गलती स्वीकार कर ले और सार्वजनिक रूप से माफी मांग ले तो उसे सख्त सजा देने के बजाय सुधार का मौका दिया जाना चाहिए।

प्रशासन से भी लगातार अपील की जा रही है कि धर्मवीर के खिलाफ कठोर कार्रवाई न करते हुए उसे चेतावनी देकर छोड़ा जाए ताकि वह भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन सके। यह पूरा घटनाक्रम एक बड़ा संदेश देता है कि सोशल मीडिया पर सजग रहना बेहद जरूरी है लेकिन साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि गलती मानकर सुधार करने वालों को समाज एक मौका जरूर दे।

अब सभी की नजर प्रशासन के फैसले पर टिकी है जहां कानून के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी संतुलित करने की उम्मीद जताई जा रही है।

एक दौड़ बाबा साहब के नाम' पदयात्रा में समाजवादी छात्र सभा ने किया स्वागत, पुष्पवर्षा व जल वितरण

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद हापुड़ में धम्म चेतना अभियान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'एक दौड़ बाबा साहब के नाम' पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान समाजवादी छात्र सभा के कार्यकताओं द्वारा पदयात्रा में शामिल प्रतिभागियों के स्वागत के लिए कैंप लगाया गया।

कैंप के माध्यम से पदयात्रियों पर पुष्पवर्षा की गई तथा उन्हें जल वितरण कर सेवा भाव का परिचय दिया गया। इस अवसर पर समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष मा० श्ल्लीि३ ङ्४ऱ्६ँ जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

बच्चों वाले शमशान घाट व जर्जर सड़कों को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल युवा विंग ने उठाई आवाज

लुकमान खान

पीलीभीत पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के युवा विंग जिला अध्यक्ष शैली शर्मा के आवाह्न पर क्षेत्र की गंभीर जनसमस्याओं को लेकर एक मांग पत्र जारी किया है। संगठन के युवा विंग अध्यक्ष नितिन वर्मा द्वारा जारी इस पत्र में बच्चों वाले श्मशान घाट की दुर्दशा और ब्लॉक रोड की जर्जर हालत पर गहरा रोष व्यक्त किया गया है। श्मशान घाट में शव दफनाने में हो रही भारी दिक्कत के लिए व्यापार मंडल ने प्रशासन का ध्यान शेरपुर रोड स्थित श्मशान घाट की ओर आकर्षित करते हुए बताया कि यहाँ जल स्तर अत्यधिक ऊपर होने के कारण शव दफनाने में बड़ी बाधा आ रही है। थोड़ी सी खुदाई करते ही पानी निकल आता है, जिससे अंतिम संस्कार में परिजनों को भारी मानसिक और शारीरिक कष्ट झेलना पड़ता है। संगठन ने यहाँ तत्काल 25-30 ट्राली मिट्टी डलवाने की मांग की है ताकि सतह को ऊँचा किया जा सके ।इसके साथ ही खाली जमीन पर इंटरलॉकिंग, बैठने के लिए बेंच, बाउंड्री वॉल के रंग-रोगन और आवारा पशुओं को रोकने के लिए मुख्य गेट लगवाने का भी अनुरोध किया गया है। इसके साथ ही युवा व्यापार मंडल ने महिला अस्पताल के सामने की सड़क जो गर्भवती महिलाओं के लिए मुसीबत'बन रही है उसके लिए भी पत्र में पूरनपुर ब्लॉक रोड की दयनीय स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। बताया गया कि महिला अस्पताल के सामने की सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और यहाँ बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं ।मरीजों को परेशानी हो रही है बारिश के दिनों में इन गड्ढों में पानी भर जाने से अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को काफी कठिनाई होती है। आए दिन यहाँ राहगीर चोटिल हो रहे हैं ।व्यापार मंडल ने शासन-प्रशासन से जनहित में इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की अपील की है, ताकि आम जनमानस को राहत मिल सके। ज्ञापान देने में मौजूद रहे युवा विंग नगर अध्यक्ष नितिन वर्मा, मोहम्मद हसन, राहत शेरी, विकास गुप्ता ,गौरव पांडे ,सुभाष गुप्ता ,अंकित अग्रवाल, मोहम्मद एजाज शरीफ, हसमत अली, शमशुल हसन, शान मोहम्मद,शहीदुल हसन ,रिजवी सिद्दीकी, गौरव गुप्ता ,संजीव यादव आदि व्यापारी पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

समाजसेवी कवि डॉ. सुनील 'सावन' सम्मानित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

कुशीनगर। सावन साहित्य सेवा सदन ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं साहित्यकार डॉ. सुनील 'सावन' को हिंदी साहित्य भारती, गोरखपुर एवं निराला शब्द संवाद मंच पडरौना, कुशीनगर ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया है। कवि सावन मूलतः अमवा बाजार, (अटल नगर), नगर पंचायत रामकोला, जनपद कुशीनगर, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं जो पद्म पुरस्कार के लिए नामित हो चुके हैं। वर्तमान में आप पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गांगरानी, कुशीनगर में स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी पद पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। साहित्य सेवा एवं समाज सेवा के लिए आप राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं। आपको बांग्लादेश ने समानता का आकाशदीप सम्मान से सम्मानित किया है। शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योग्यता हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन, नयी दिल्ली ने भी आपको सम्मानित किया है। 5 अगस्त 1993 में जन्मे युवा कवि डॉ. सुनील 'सावन' को सम्मानित करते हुए निराला शब्द संवाद मंच के संस्थापक डॉ. ओम प्रकाश जी ओम तथा काशी हिन्दी विद्यापीठ वाराणसी के संस्थापक इंद्रजीत निर्भीक ने आपकी साहित्यिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के प्रोफेसर (डॉ.) गौरव के सारगर्भित वक्तव्य से प्रबुद्ध श्रोतागण लाभान्वित हुए।

जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने 2.15 करोड़ का मादक पदार्थ किया नष्ट

95 मुकदमों से जुड़ी 70.908 किलो चरस, गांजा, स्मैक बरेली में जलाकर कराया विनिष्टीकरण

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (DDC) ने मादक पदार्थों के 95 अभियोगों से संबंधित करीब 2.15 करोड़ रुपये का माल नष्ट कराया। वहीं जनपद के 16 थानों पर पंजीकृत कुल 95 अभियोगों से संबंधित 70.908 किलोग्राम मादक पदार्थ का विनिष्टीकरण कराया गया। इसमें अवैध चरस, डोडा, हीरोइन/स्मैक, भांग और गांजा शामिल है।

विनिष्टीकरण किए गए मादक पदार्थों की कुल अनुमानित कीमत करीब 2.15 करोड़ रुपये आंकी गई है। आपको बता दे कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में गठित ऊळ्ळ द्वारा गुरुवार, 10 अप्रैल 2026 को जनपद बरेली के थाना सीबी गंज क्षेत्रांतर्गत स्थित ENVIRAD MEDICARE PVT LTD परसाखेड़ा के इन्सिनेटर के माध्यम से सभी मादक पदार्थों का निस्तारण/विनिष्टीकरण कराया गया।

वहीं पुलिस महानिदेशक के निदेशों के क्रम में चलाए जा रहे अभियान Operation Dahan के तहत यह कार्रवाई की गई। DDC द्वारा मादक पदार्थ, स्वापक औषधि, मनःप्रभावी पदार्थ और नियंत्रित पदार्थों के निस्तारण की यह कार्यवाही न्यायालय के आदेश पर की गई। विनिष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई और DDC के सदस्यों की मौजूदगी में माल नष्ट किया गया।

सिरफिरे युवकों का जलती हुई चिता से हुक्के की चिलम जलाने वाले युवकों को हाफिजपुर पुलिस ने तीनों युवकों को किया गिरफ्तार

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के हाफिजपुर थाना क्षेत्र में जहां सोशल मीडिया में सिरफिरे युवकों का जलती हुई चिता से हुक्के की चिलम जलाने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है इन सिरफिरे युवकों ने गांव में मरने वाली बुजुर्ग महिला मुन्नी देवी की जलती हुई चिता से हुक्के की चिलम को जलाया था।

सिरफिरे युवकों की ये करतूत अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है शमशान घाट में एक चिता जल रही है और एक सिरफिरा युवक वहां पहुंचता है और चिता से उपले निकाल कर हुक्के की चिलम को जलाता है। साथ ही ये सिरफिरा मोईन अपने अन्य तीन साथियों से इस घटना की वीडियो भी बनवाता है।

वही चिता से चिलम जलाने का यह वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। पुलिस ने वीडियो वायरल होने के बाद आनन फानन में कार्रवाई करते हुए इन चारों सिरफिरे युवकों में से तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। व इनके चौथे साथी की तलाश कर रही है।

पूरी घटना हाफिजपुर थाना क्षेत्र के महमूदपुर गांव की बताई जा रही है जहां 75 वर्षीय मुन्नी देवी की मौत हुई थी इसके बाद परिजनों ने श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया था।

जिसके बाद परिजन अपने घर वापस आ गए थे इसी बीच गांव के रहने वाले यह चारों सिरफिरे युवक श्मशान घाट में पहुंचते हैं और जलती हुई चिता से उपला निकालकर हुक्के की चिलम को जलाते हैं और इसका वीडियो भी बनाते हैं। जैसे ही ये वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

ग्रामीणों में चारों युवकों के खिलाफ गहरी नाराजगी देखने को मिली इसके बाद पुलिस से इनकी शिकायत की गई।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वीडियो में दिख रहे युवक मोईन उसके साथी इमरान व अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया है साथ ही इनके चौथे साथी विनीत की तलाश की जा रही है।

इन सिरफिरे युवकों की इस करतूत से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। वहीं पुलिस का कहना है चारों युवकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत समस्त थानों पर नियुक्त महिला शक्ति केन्द्र टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया ।इस दौरान उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया गया। महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, स्वास्थ्य सेवा-102/108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, चाइल्ड लाइन-1098 एवं साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 प्रमुख हैं।

पुलिस टीम द्वारा सभी को जागरूक करते हुए किसी भी आपात स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

बाबा साहब भीमराव डॉक्टर अंबेडकर की 14 अप्रैल को होने वाली जयंती को लेकर डीएम एसपी ने दिया अधिकारियों को निर्देश

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में आने वाली 14अप्रैल को आगामी डॉ0भीमराव अम्बेडकर जयंती के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के द्वारा जनपद के राजपत्रित अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में गोष्ठी आयोजित की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

हर संगीत प्रेमी के हृदय में निवास करने वाली आशा भोसले के लिए की गई विशेष जानकी जूला पूणार्नंद घाट महिला गंगा आरती

आशा भोसले को जानकी जूला पूणार्नंद घाट महिला गंगा आरती में दी गई श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

ऋषिकेश। आज ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट परिवार ने, पूणार्नंद घाट, जानकीपुल में विश्व प्रसिद्ध प्रथम महिला गंगा आरती द्वारा की जा रही गंगा आरती में गंग सबलाओं ने हर संगीत प्रेमी के हृदय में निवास करने वाली आशा भोसले को ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट की ओर से श्रद्धांजलि दी गई।

ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिओम शर्मा ज्ञानी जी ने कहा आशा भोसले का नाम भारतीय संगीत इतिहास में बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने अपने करियर में आठ दशकों से भी ज्यादा समय तक संगीत जगत में योगदान दिया है। उन्होंने अपने करियर में तकरीबन 12 हजार से ज्यादा गाना गाए हैं, जिनमें पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, ये मेरा दिल, चुरा लिया है तुमने, इन आंखों की मस्ती के, दिल चीज क्या है जैसे सुपरहिट गाने शामिल हैं। उन्होंने गजल, भजन, पॉप और क्लासिकल हर शैली में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्होंने ओ.पी. नैयर, आर.डी. बर्मन और ए.आर. रहमान के साथ मिलकर कई यादगार गीत दिए। उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार, फिल्मफेयर अवॉर्ड, दादासाहेब फाल्के सम्मान और पद्म विभूषण जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उनकी गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा गाने रिकॉर्ड करने वाले कलाकारों में भी की जाती है। और कहां कहा कि स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर का जाना मतलब एक युग का अंत। लगभग आठ दशकों तक उन्होंने हमारे दिलों पर राज किया। लगभग 10 साल की उम्र में अपने करियर की शुरूआत करने वाली आशा भोसले ने 22 भाषाओं में 12 हजार से अधिक गाने गाए। उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे ज्यादा गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के तौर पर शिगनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से भी पहचान मिली।

उनकी कमी कभी कोई पूरी नहीं कर सकता। ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट परिवार आशा भोसले जी के निधन से मन बहुत ही दुखी है। पुण्यात्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका जाना देश और संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना। डॉ ज्योति शर्मा ने कहा कि अपने घर की सबसे बड़ी बेटी, जिनकी आवाज मानो कोयल से भी मीठी, कुछ ही

सालों में आशा भोसले जी की आवाज हर सफल फिल्म की जरूरत बन जाती है।

डॉ. ज्योति शर्मा ने कहा सिर्फ आशा भोसले जी का नाम सुनते ही कानों को सुकून मिलता है, जुबान पर मिसरी चढ़ जाती है और दिल उनके गानों के बोल पर धड़कने लगता है। आज आशा भोसले जी हमारे सामने विरासत छोड़कर चली गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वभर में विशिष्ट पहचान दिलाने वाली आशा भोसले जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना संपूर्ण कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है, ऋषिकेश गंगा आरती परिवार की ओर से, ईश्वर से दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति की प्रार्थना करते हैं एवं आशा भोसले जी के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते है। उन्होंने कहा कि आशा भोसले जी को गंगा मैया से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। ऋषिकेष गंगा आरती परिवार की ओर से, सांयकालीन गंगा आरती में दो मिनट का मौन रखा गया और मां गंगा से दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मुख्य रूप से महिला गंगा आरती में गंग सबलाओं आचार्य सोनिया, राज पूनम रावत, अंजना उनियाल, पुष्पा शर्मा, वंदना नेगी, गायत्री, एवं प्रमिला ने गंगा आरती विशेष भूमिका अदा की।

चंदौसी के व्यापारियों ने गोवर्धन में किया देशी घी का भंडारा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। चंदौसी के व्यापारियों द्वारा पावन तीर्थ नगरी गोवर्धन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ देशी घी का भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं परिक्रमा कर रहे भक्तों को प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में सेवा, सहयोग और आध्यात्मिक भावना को बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर भक्ति का माहौल देखने को मिला। व्यापारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और देश की उन्नति की कामना की। आयोजन में चंदौसी के अनेक व्यापारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवाभाव के साथ भंडारे को सफल बनाया। इस दौरान कमल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अजय जैन, अनुज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, महेंद्र वर्मा, अजय अग्रवाल, डॉ. जगदीश श्रीवास्तव, राहुल पाठक, जगन्नाथ खुराना, गुरुवत सिंह, डॉ. पीयूष राघव, डॉ. अनिल चौहान, अभिषेक अग्रवाल, नवीन रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

गोवर्धन में सैनी समाज ने धूमधाम से मनाई ज्योतिराव फुले जयंती, हजारों लोगों ने निकाली भव्य शोभायात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन कस्बे में सैनी समाज द्वारा शनिवार देर शाम राधाकुंड मार्ग स्थित सैनी धर्मशाला में महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने ज्योतिराव फुले के जीवन, संघर्ष और समाज सुधार में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फुले जी ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए जीवनभर संघर्ष किया तथा समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। वक्ताओं ने समाज के लोगों से उनके बताए आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोग, युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। सभी ने एकजुट होकर समाज में शिक्षा और जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इसके उपरांत कस्बा गोवर्धन में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। शोभायात्रा में सैनी समाज के हजारों से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान लोग फुले जी के विचारों से जुड़े नारे लगाते हुए चल रहे थे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और प्रेरणादायक बन गया।

पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्था सुचारू रही और समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। यह आयोजन न केवल एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम रहा, बल्कि समाज में एकता, जागरूकता और प्रेरणा का संदेश देने वाला भी साबित हुआ।

इस कार्यक्रम में महेश सैनी जिलाध्यक्ष सैनी समाज, गोवर्धन चैयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार, भगवान सिंह सैनी, रूप चंद सैनी, परबाती सैनी, गब्बर सैनी, केशव सैनी, निरंजन प्रधान, अशोक प्रधान हैप्पी अंबेडकर, विजेंद्र सैनी, पवन प्रधान , रामअचलमौर्य, बालकिशन सैनी ,ओमवीर सैनी, हर प्रसाद प्रधान,महावीर सैनी सभासद ,होती मेंबर महेश सैनी सहित सैनी समाज व अन्य समाज के लोग मौजूद रहे।

साइबर अपराधी गिरफ्तार, फर्जी आधार कार्ड व मोबाइल बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना क्षेत्र के नगला बंजारा से साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन और दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान आशाराम पुत्र छुटकन निवासी ग्राम देवसेरस, थाना गोवर्धन, जनपद मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से साइबर फ्रॉड में शामिल एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन और दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निदेर्शानुसार साइबर फ्रॉड के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार रात को नगला बंजारा कच्ची रोड स्थित मंदिर के पास से साइबर अपराधों में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र से साइबर अपराध के खात्मे तक आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर, चौकी प्रभारी देवसेरस सतेंद्र सिंह, संजीव कुमार, विकास भाटी थे।

स्कूल चलो अभियान रैली से बंडपुरा के ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मगोर्रा न्याय पंचायत अंतर्गत बच्चों के नवीन नामांकन एवं शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने को लेकर प्राथमिक विद्यालय बंडपुरा में स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत एक भव्य जागरुकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ एआरपी कपिल देव चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर एआरपी कपिल देव चौधरी ने कहा कि शिक्षा ही उज्जवल भविष्य का मूल आधार है इससे छात्रों को किसी भी हालत में वंचित नहीं किया जा सकता है। विधालय के प्रधानाध्यापक महेश चंद्र चतुवेर्दी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में मिलने वाली सुविधाएं जैसे निशुल्क पाठ्य पुस्तकें , यूनिफॉर्म,मिड डे मील के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

रूपेश चौधरी एवं दीपक शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से बताया कि गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है इससे छात्रों को वंचित नहीं किया जा सकता है। रैली के दौरान विधालय के छात्रों ने गली गली में भ्रमण करते हुए ओजस्वी वाणी में आधी रोटी खाएंगे स्कूल जरूर जाएंगे एवं मम्मी-पापा हमें पढाओ स्कूल में चलकर नाम लिखाओ जैसे शब्दों से माहौल को शिक्षा मय कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक दीपक शर्मा एवं रूपेश चौधरी ने रैली का कुशल नेतृत्व करते हुए संचालन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में अशोक कुमार, विनोद कुमार,द्रवपाल सिंह,कुशलपाल सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकत्री के अलावा छात्रों एवं ग्रामीणों का जनसमूह था।

छात्रा आरुषि द्वारा बनाया गया युवा कवि डॉ राजीव डोगरा का पेंसिल स्केच

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांगड़ा/हिमाचल प्रदेश। कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के युवा कवि लेखक डॉ. राजीव डोगरा जिनकी कविताएं राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र पर प्रकाशित होती है और साथ ही जिनको कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय से मानव उपाधियां प्राप्त है।राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गाहलियां की 12वीं कक्षा की छात्रा आरुषि ने उनका छायाचित्र बनाकर उनको भेंट किया। आरुषि को पढ़ने लिखने के साथ-साथ चित्रकारी तथा अखबारों में निबंध लेखन का भी शौक है। आरुषि दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में पूरे हिमाचल में 9वें स्थान पर भी रही है। 'किसमें है कितना है दम' टीवी रियलिटी शो 2024- 2025 में आरुषि पेंटिंग प्रतियोगिता में सेकंड रनर अप भी रही है। छात्रा आरुषि भविष्य में सिविल सर्विस के क्षेत्र में जाना चाहती है। युवा कवि ने आरुषि का पेंसिल स्केच बनाने के लिए धन्यवाद किया और छात्रा को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

नशे के सौदागरों पर ट्रांस यमुना पुलिस का शिकंजा !अवैध चरस सहित तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद

बेहतरीन कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार,लगातार कसा जा रहा है अपराधियों पर शिकंजा

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। थाना ट्रांस यमुना पुलिस व साइबर सर्विलांस/काउंटर इंटेलिजेंस टीम की संयुक्त कार्रवाई में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने अंतर्जनपदीय तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 11 किलो 208 ग्राम अवैध चरस बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट आगरा के निर्देश एवं पुलिस उपायुक्त नगर के पर्यवेक्षण में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 11/12 अप्रैल 2026 की रात थाना ट्रांस यमुना पुलिस टीम ने साइबर सर्विलांस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर झरना नाला क्षेत्र के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान शिवम पुत्र सुरेश, निवासी कालिंदी बिहार, थाना ट्रांस यमुना के रूप में हुई है। गिरफ्तार अभियुक्त की तलाशी लेने पर उसके पास से 11 किलो 208 ग्राम चरस बरामद हुई, जिसे पन्नी व टेप से पैक किया गया था। बरामदगी के आधार पर थाना ट्रांस यमुना पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह यह चरस जनपद फिरोजाबाद से अपने साथी अबरार के साथ लेकर आया था। अबरार पूर्व में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। अभियुक्त इस चरस को बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस अब इसके नेटवर्क की गहनता से जांच कर रही है। इस कार्रवाई में थाना ट्रांस यमुना व साइबर सर्विलांस/काउंटर इंटेलिजेंस टीम के प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार, उ0नि0 अमित कुमार, उ0नि0 शुभम सिद्ध, उ0नि0 सुधांशु बाजपेयी, उ0नि0 राज कुमार सिंह, उ0नि0 विपुल वर्मा, उ0नि0 गुरविंदर, का0 पवन पाल, का0 उदय कुमार, का0 अनुज, का0 अंकित खोखर, का0 विनय,का0 आदेश कुमार तथा का0 गिरेंद्र सिंह व का0 नीरज कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार अपनी बेहतरीन कार्यशैली और सख्त कार्रवाई के लिए जाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में थाना ट्रांस यमुना पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

सोनार समागम महापंचायत में उठी राजनीतिक भागीदारी की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। रविन्द्रालय में आयोजित 'सोनार समागम महापंचायत' एवं स्नेह मिलन समारोह में स्वर्णकार समाज ने राजनीतिक हिस्सेदारी और सामाजिक पहचान की मजबूत मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी स्वर्णकार समाज को उसकी जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद समाज केवल वोटर बनकर रह गया है।कार्यक्रम का शुभारंभ संत नरहरिदास जी महाराज और महाराजा अजमीढ़ जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। इसमें प्रदेश भर से आए स्वर्णकार संगठनों के प्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि बीएनएस की धाराओं की आड़ में स्वर्णकार समाज का पुलिसिया उत्पीड़न हो रहा है, जिसे रोकने और सोने-चांदी के व्यापार को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। समारोह में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि राजनीतिक दलों ने स्वर्णकार समाज को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं दिया, तो समाज पंचायत से लेकर लोकसभा चुनाव तक अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेने को बाध्य होगा। मध्य प्रदेश की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में स्वर्ण कला बोर्ड के गठन की मांग उठाई।

भीषण जल संकट से आक्रोशित लोगों ने हाथरस रोड किया जाम,खाली बर्तन लेकर सड़क पर उतरे क्षेत्रवासी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। जनपद आगरा थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के अंतर्गत इस्लाम नगर और राहुल नगर के निवासियों का गुस्सा रविवार को उस समय फूट पड़ा, जब लंबे समय से जारी पानी की समस्या से परेशान होकर सैकड़ों लोग हाथरस रोड माता वाली गली के सामने इकट्ठा हो गए। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित क्षेत्रवासियों ने खाली बर्तन, बाल्टी और डिब्बे लेकर हाईवे पर बैठकर जोरदार प्रदर्शन किया और हाइवे को पूरी तरह जाम कर दिया। इस अचानक हुए जाम के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा गई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि पिछले 10 से 15 दिनों से उनके क्षेत्र में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। भीषण गर्मी में पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता के अभाव में लोगों का जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, मोहल्ले में स्थित पाइपलाइन या जल आपूर्ति व्यवस्था में आई खराबी को लेकर कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। क्षेत्रवासियों ने यह भी बताया कि मोहल्ले तक पहुंचने वाले मार्ग पर बनी पुलिया टूट चुकी है, जिसके कारण पानी के टैंकर भी अंदर नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे में लोगों को दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन भी इस संकट से प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जल्द से जल्द जल आपूर्ति बहाल करने तथा टूटी पुलिया की मरम्मत कराने की मांग की। उनका कहना था कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सूचना मिलते ही थाना ट्रांस यमुना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। टेडी बगिया चौकी इंचार्ज ने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने के साथ ही अधिकारियों से वार्ता का आश्वासन दिया। काफी देर तक चली मशक्कत के बाद पुलिस ने लोगों को सड़क से हटाया, जिसके बाद यातायात को धीरे-धीरे सामान्य किया जा सका। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश बना हुआ है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग कब तक इस गंभीर जल संकट का स्थायी समाधान निकाल पाता है।

ट्रांस यमुना पुलिस का अपराध पर डबल अटैक–ठगी गैंग बेनकाब, 30 लाख की चरस संग तस्कर गिरफ्तार

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा जिले के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में बेहतरीन पुलिसिंग के लिए पहचाने जाने वाले थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार ने एक बार फिर अपनी कार्यशैली का दम दिखाया है।

3उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर एक ही दिन में दो बड़ी घटनाओं का सफलतापूर्वक खुलासा कर अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई की है।

पहले मामले में किराये पर गाड़ियां लगाने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने उनके कब्जे से 12 कारें, एक मोबाइल फोन और कूटरचित दस्तावेज बरामद किए। आरोपी लोगों को हर महीने मोटी कमाई का लालच देकर उनकी गाड़ियां अपने कब्जे में लेते थे और बाद में उन्हें गिरवी रखकर लाखों रुपये हड़प लेते थे।

वहीं दूसरी बड़ी कार्रवाई में पुलिस टीम ने एक नशे के सौदागर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से करीब 30 लाख रुपये कीमत की चरस बरामद की गई।

इस कार्रवाई से नशे के कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है और पुलिस की सक्रियता साफ नजर आ रही है।

थानाध्यक्ष हरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में की गई इन दोनों बड़ी कार्रवाइयों से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूती मिली है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस सख्त और प्रभावी कार्यशैली की सराहना की है और इसे अपराध के खिलाफ बड़ा कदम बताया है।

डीएम आलोक कुमार और एसपी संदीप मीना की जुगलबंदी से बदली जनपद की तस्वीर

मु. परवेज अख्तर

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। किसी भी जनपद की प्रगति और खुशहाली केवल सरकारी बजट या संसाधनों पर निर्भर नहीं होती, बल्कि इस बात पर टिकी होती है कि वहां का प्रशासनिक और पुलिस नेतृत्व किस आपसी तालमेल और विजन के साथ काम कर रहा है। संतकबीरनगर जिले के वर्तमान परिदृश्य को देखा जाए तो जिले के जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप मीना की जुगलबंदी ने सुशासन का एक ऐसा बेमिसाल मॉडल पेश किया है, जिसकी चर्चा आज हर जुबान पर है। इन दोनों अधिकारियों के कार्यकाल की समीक्षा की जाए तो स्पष्ट होता है कि जहाँ एक ओर विकास कार्यों को पंख लगे हैं, वहीं दूसरी ओर कानून का राज और अधिक सुदृढ़ हुआ है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने जब जनपद की कमान संभाली तो उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती लंबित विकास परियोजनाओं को गति देना और प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाना था। उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली में 'जीरो टॉलरेंस' और 'त्वरित निर्णय' को प्राथमिकता दी। जिले में करोड़ों की लागत वाली सड़क परियोजनाओं, विशेषकर मेहदावल क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के सुधार में उन्होंने व्यक्तिगत रुचि लेकर बाधाओं को दूर किया। डीएम की कार्यशैली की सबसे बड़ी खूबी उनका फाइलों से बाहर निकलकर धरातल पर उतरना है।

सरकारी अस्पतालों का औचक निरीक्षण हो या फिर चकबंदी के पेचीदा मामलों को सुलझाने के लिए गांवों में लगाई जाने वाली 'जनचौपाल', आलोक कुमार ने मौके पर ही समाधान खोजने की नई परंपरा शुरू की है। उनके नेतृत्व में राजस्व और विकास विभाग के बीच एक ऐसा सेतु बना है जिससे आम जनता की शिकायतों का निस्तारण अब समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित हो रहा है। वहीं जिला प्रशासन के इस विकासोन्मुखी विजन को सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान किया है पुलिस अधीक्षक संदीप मीना ने। उनकी कार्यप्रणाली 'सख्ती और संवेदनशीलता' का एक अनूठा मिश्रण है।

एसपी ने कार्यभार संभालते ही अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक प्रहार किए। अवैध खनन, भू-माफिया, गोकशी और संगठित अपराध के खिलाफ उनकी निरंतर कार्रवाई ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति में सुरक्षा का भाव पैदा किया है। उन्होंने पुलिसिंग को केवल थानों तक सीमित न रखकर उसे तकनीक और जनसंवाद से जोड़ा है। 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाना हो या महिला सुरक्षा के लिए 'मिशन शक्ति' जैसे अभियानों को प्रभावी बनाना, संदीप मीना ने पुलिस की छवि को एक अनुशासित और मददगार बल के रूप में स्थापित किया है। इन दोनों शीर्ष अधिकारियों की सबसे बड़ी उपलब्धि इनका आपसी समन्वय है। अक्सर प्रशासनिक और पुलिस महकमे के बीच सामंजस्य की कमी विकास की राह में रोड़ा बनती है, लेकिन संतकबीरनगर में डीएम और एसपी एक ही सिक्के के दो पहलुओं की तरह काम कर रहे हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान हो, संवेदनशील इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखना हो या फिर सरकारी संपत्तियों को अवैध कब्जे से मुक्त कराना–दोनों अधिकारियों ने कंधे से कंधा मिलाकर परिणाम दिए हैं। जिले के शैक्षणिक संस्थानों और औद्योगिक गतिविधियों के लिए जो भयमुक्त वातावरण आज दिख रहा है, वह इसी जुगलबंदी का सुखद परिणाम है। कुल मिलाकर डीएम आलोक कुमार और एसपी संदीप मीना का अब तक का कार्यकाल संतकबीरनगर के लिए एक 'स्वर्ण काल' की तरह साबित हो रहा है। जनता के बीच इन अधिकारियों के प्रति बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि यदि नेतृत्व संकल्पित हो, तो किसी भी जनपद की तकदीर बदली जा सकती है। यह जिला इन दोनों अधिकारियों के योगदान को लंबे समय तक याद रखेगा।

जन सेवा केंद्र संचालक से मारपीट, पिता-पुत्र गिरफ्तार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के मलकपुर रोड स्थित एक जन सेवा केंद्र संचालक के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। थाना क्षेत्र की हमजा कॉलोनी निवासी जावेद पुत्र अब्दुल बासित मलकपुर रोड पर जन सेवा केंद्र संचालित करता हैं।

पीड़ित के अनुसार, बीते मंगलवार को मोहल्ले का ही तस्लीम किसी कार्य से प्रिंट आउट निकलवाने केंद्र पर पहुंचा था।किसी कारणवश प्रिंट आउट देने से मना करने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

आरोप है कि इसके बाद तस्लीम ने अपने पुत्र मोईन, मुरसलीन व एक अन्य सदस्य को मौके पर बुला लिया। सभी ने मिलकर जावेद के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। घायल ने सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराने के बाद थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी।पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। रविवार को पुलिस ने आरोपी तस्लीम व उसके पुत्र मोईन को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पन्द्रह दिन में उखड़ी नवनिर्मित सड़क, ग्रामीणों का प्रदर्शन

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। विकासखंड की ग्राम पंचायत गंगेरू के मजरा गढ़ी मियां में लाखों रुपये की लागत से निर्मित आरसीसी सड़क महज 15 दिन में ही बदहाल हो गई। सड़क की परतें उखड़ने और जगह-जगह दरारें पड़ने से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज ग्रामीणों ने ठेकेदार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और निर्माण कार्य में हुई लापरवाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

रविवार को ग्रामीणों ने बताया की,सड़क निर्माण कार्य में शुरू से ही अनियमितताएं बरती गईं। मानकों को ताक पर रखकर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते सड़क इतनी जल्दी खराब हो गई। ग्रामीण इरफान ने बताया कि गांव के लोग करीब दो दशक से सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। बड़ी उम्मीदों के साथ यह सड़क बनाई गई थी, लेकिन कुछ ही दिनों में इसकी गुणवत्ता की पोल खुल गई। उन्होंने कहा कि सड़क की ऊपरी परत हाथ लगाने भर से उखड़ रही है, जिससे ठेकेदार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीण कौशर ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की जांच नहीं की गई और जिम्मेदार अधिकारियों ने भी निगरानी में लापरवाही बरती। उन्होंने कहा कि यदि कार्य की सही तरीके से मॉनिटरिंग होती, तो इतनी बड़ी खामी सामने नहीं आती। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो तहसील और जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि एक टीम गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान हंगामा प्रदर्शन करने में दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्राम प्रधान पति राशिद जंग का कहना है कि यह राजनीतिक षड्यंत्र है उनके विरोधी जानबूझकर सड़क उखाड़ कर उनकी छवि धूमिल करने में लगे हुए हैं।मामला उनके संज्ञान में नहीं है अगर ठेकेदार सहित किसी ने भी सड़क में घटिया सामग्री लगाई है तो उनके विरुद्ध कार्रवाई कराई जाएगी और सड़क की जांच करा कर दोबारा से मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बा निवासी एक बाइक सवार युवक अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का शामली के एक निजी चिकित्सालय में उपचार जारी है। रविवार को कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी योगेश कुमार किसी कार्य से दिल्ली–सहारनपुर हाईवे स्थित भरासी गेट की ओर जा रहा था। जैसे ही वह पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायल को कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घायल का फिलहाल शामली के एक निजी चिकित्सालय में उसका इलाज चल रहा है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी गई है।

नाबालिग को अगवा करने का प्रयास,दो युवकों पर मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने अपनी नाबालिग बेटी को जबरन उठाने के प्रयास का आरोप गांव के ही एक युवक और उसके साथी पर लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार, उसकी नाबालिग बेटी को कुछ समय पूर्व गांव निवासी युवक बहला–फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया था। बाद में किसी तरह वह आरोपियों के चंगुल से निकलकर घर लौट आई थी। आरोप है कि अब वही युवक अपने एक साथी के साथ मिलकर दोबारा उसकी बेटी को जबरन उठाने की कोशिश कर रहा है और परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नितिन कस्बा तीतरो जनपद सहारनपुर सहित एक अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि पीड़ित व्यक्ति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

डीएम की अध्यक्षता में जनपद में फार्मर रजिस्ट्री के प्रगति की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री में खराब प्रगति पाए जाने पर कुल 18 कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने का दिया आदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में विगत दिवस देर सायं फार्मर रजिस्ट्री अभियान के प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें दिनांक 06 से 15 अप्रैल 2026 तक विशेष अभियान में खराब प्रगति वाले 25 राजस्व गांव के कर्मचारियों को समीक्षा में बुलाया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जयप्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए जिनकी प्रगति भी खराब पाई गई। जिलाधिकारी द्वारा कुल 18 कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने के आदेश किए गए हैं, जिसमें कल 5 लेखपाल 7 पंचायत सहायक 3 रोजगार सेवक एवं 3 ग्राम सचिव शामिल है।

उन्हें निर्देशित किया गया कि यदि प्रगति में सुधार नहीं आता है तो निलंबन की कार्रवाई भी की जाएगी। फार्मर रजिस्ट्री में जनपद की प्रगति संतोषजनक नहीं है अभी कुल 62000 किसानों का फॉर्मर रजिस्ट्री कराया जाना शेष है जिसके लिए शासन द्वारा 6 से 15 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जो भी कर्मचारी इस अवधि का दौरान अपने लक्ष्य पूर्ण नहीं करते हैं उनकी प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान करते हुए वेतन वृद्धि रोक दी जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा सभी खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन समीक्षा करते हुए अनिवार्य रूप से विशेष अभियान में अवशेष फॉर्मर रजिस्ट्री पूर्ण कराना सुनिश्चित करें अन्यथा उनका भी उत्तरदायित्व निर्धारित निर्धारित किया जाएगा।

बैठक में समस्त सहायक विकास अधिकारी कृषि, समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत, समस्त खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, उप जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, उपायुक्त श्रम रोजगार, उप कृषि निदेशक सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

कच्ची शराब के साथ मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम एवं अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देश पर जिलेभर में अवैध शराब की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी रक्षक सतीश कुमार व पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शराब तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया,पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान नदीम पुत्र राशिद निवासी मोहल्ला गुजरान, के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 10 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। आरोपी पर पूर्व मे कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी का चालान कर दिया है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल नितिन राणा और कांस्टेबल राजीव कुमार

जसाला में भाजपा की हुंकार: दिनेश शर्मा का विपक्ष पर तीखा प्रहार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के गांव जसाला स्थित भाजपा एमएलसी चौधरी वीरेंद्र सिंह के फार्म हाउस पर आयोजित विशाल जनसभा में पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने पश्चिम बंगाल की सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि वहां भाजपा की सरकार बनते ही ममता बनर्जी की मनमानियों पर पूरी तरह रोक लग जाएगी।रविवार को आयोजित जनसभा में भारी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व डिप्टी सीएम डॉ.दिनेश शर्मा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार जनता को गुमराह कर रही है, लेकिन अब जनता सब समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में परिवर्तन निश्चित है।संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के बयान का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि वह जो भी कहते हैं, वह तथ्यों पर आधारित होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संकीर्ण परिभाषा नहीं, बल्कि

एक जीवन शैली है, जो सभी को साथ लेकर चलने और विश्व कल्याण की भावना से जुड़ी है।

महिला आरक्षण विधेयक को लेकर डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देश की महिलाओं को मिला अब तक का सबसे बड़ा अधिकार है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार महिलाओं को राजनीति में बराबरी की भागीदारी सुनिश्चित करने का रास्ता साफ हुआ है, जिससे लोकसभा और विधानसभाओं में उनकी उपस्थिति बढ़ेगी। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर निर्णय का विरोध करना विपक्ष की आदत बन चुकी है, लेकिन जनता अब उनके बहकावे में नहीं आने वाली। कार्यक्रम में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए पूर्व की सपा, बसपा और कांग्रेस सरकारों पर भी निशाना साधा। जनसभा की अध्यक्षता चौधरी वीरेंद्र सिंह ने की।इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रामजीलाल कश्यप, मनीष चौहान, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, कोमल सैनी, हरबीर सिंह मलिक, सुनील भराला, मोहित बेनीवाल समेत कई नेताओं ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

बच्चों के विवाद मे महिलाओं में मारपीट,महिला का कान फटा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव किवाना में बच्चों के बीच हुई कहासुनी के बाद मारपीट हो गई।देखते ही देखते दो महिलाओं के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई, जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। रविवार को गांव किवाना निवासी रेशमा पत्नी कामिल ने बताया कि पड़ोस की महिला उसके परिवार के एक बच्चे के साथ मारपीट कर रही थी।

जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी महिला ने उस पर भी हमला कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके कान पर गंभीर चोट लगी, जिससे उसका कान फट गया। घायल महिला के परिजनों ने उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए भर्ती कराया। उसके बाद महिला ने अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर दी है। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

40 करोड़ की संपत्ति पर चला बुलडोजर, पीड़ित ने दी आत्महत्या की चेतावनी

पीड़ित व्यापारी ने अपना वीडियो वायरल कर कई लोगों पर लगाया आरोप, प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के रेलवे रोड निवासी व्यापारी के पुत्र ने कस्बे के कई व्यक्तियों पर करीब 40 करोड़ रुपये मूल्य की अपनी संपत्ति पर जबरन कब्जा करने का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने न्यायालय के स्पष्ट स्थगन आदेश (स्टे) को दरकिनार करते हुए जेसीबी मशीन से जमीन पर तोड़फोड़ कर कब्जा कर लिया, जिससे वह और उनका परिवार दहशत मैं पीड़ित ने आत्महत्या की चेतावनी दी है।

कस्बे के रेलवे मार्ग माता मंदिर निवासी दीपक अग्रवाल के पुत्र अजय अग्रवाल ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए बताया उसकी संपत्ति को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है और अदालत द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके बावजूद कस्बे के कई आरोपियों ने कानून की अवहेलना करते हुए सुनियोजित तरीके से भारी मशीनरी के साथ मौके पर पहुंचकर जमीन को समतल कर कर दिया और कब्जे की नीयत से उसका बिजली का कनेक्शन व दुकान मकान क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और मौके से भगा दिया गया।

पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, लेकिन समय पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं।

उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वह आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने के लिए विवश होंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसी स्थिति में उनकी मौत के लिए संबंधित आरोपी ही जिम्मेदार होंगे। गौरतलब है कि यह मामला नया नहीं है।

इससे पूर्व पीड़ित के पिता दीपक अग्रवाल भी इन्हीं आरोपियों के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं।

कई वर्ष पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ लोग उनके कारोबार में लगातार बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं और उनकी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

उस दौरान उन्होंने विरोध स्वरूप अपने मकान पर पलायन के पोस्टर तक चस्पा किए थे, जिससे यह मामला चर्चा का विषय बना था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि न्यायालय के आदेशों का भी खुलेआम उल्लंघन होने लगेगा तो आम नागरिकों का कानून पर से विश्वास उठ जाएगा।

फिलहाल पीड़ित व्यापारी के पुत्र का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बेसहारा गोवंश से टकराकर बाइक सवार दो युवक घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव जिडाना के निकट बेसहारा गोवंश की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। 108 एंबुलेंस के कर्मियों ने उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। रविवार को थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी आकाश पुत्र जयपाल और राहुल पुत्र जिले सिंह बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से हरियाणा अपने रिश्तेदारी में जा रहे थे। बाइक सवार जैसे ही गांव जिडाना के पास पहुंचे तो बाइक सड़क पर घूम रहे हैं गोवंश से टकरा गई और दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों घायलों को कस्बे के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और दोनों घायलों को जिला अस्पताल लेकर चले गए।

सुरों की मल्लिका खामोश हुई आशा भोसले के निधन से सिनेमा जगत में शोक की लहर'

'सुर थम गए हैं, पर यादें हमेशा गूंजती रहेंगी'

सनी कुमार केशरवानी

प्रयागराज(वेलकम इंडिया)। मुंबई से हिंदी सिनेमा जगत के लिए एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। सुरों की मल्लिका और दिग्गज गायिका आशा भोसले अब हमारे बीच नहीं रहीं। मुंबई के ब्रीच कांडी हॉस्पिटल में उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली। इस खबर के सामने आते ही पूरे फिल्म उद्योग में शोक की लहर दौड़ गई है।

उनकी मधुर आवाज, अनगिनत यादगार गीत और दशकों तक संगीत की दुनिया में उनका योगदान हमेशा अमर रहेगा।

आशा भोसले सिर्फ एक गायिका नहीं, बल्कि एक एहसास थीं–हर पीढ़ी के दिलों में बसने वाली आवाज। उनके जाने से संगीत का एक सुनहरा युग जैसे थम सा गया है।

इंडस्ट्री के कलाकारों से लेकर आम फैंस तक, हर कोई इस खबर से स्तब्ध है। हर आंख नम है और हर दिल भारी मानो सुरों की दुनिया आज खामोश हो गई हो। उनका अंतिम संस्कार आज शाम किया जाएगा, जहां उन्हें अंतिम विदाई दी जाएगी।

एक युग का अंत

आशा भोसले के निधन से संगीत और सिनेमा जगत में एक ऐसा खालीपन आ गया है, जिसे शायद कभी भरा नहीं जा सकेगा। उनकी आवाज हमेशा गूंजती रहेगी–हर गीत में, हर धुन में, हर दिल में।

कलाकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव ने गहरे दुख के साथ कहा

'आज दिल बहुत भारी है आशा जी की आवाज ने हमें हंसाया भी, रुलाया भी और हर एहसास को जीना सिखाया। उनका जाना हमारे लिए अपूरणीय क्षति है। मंगेशकर परिवार ने राष्ट्र को जो सांस्कृतिक धरोहर सौंपी है, उसे शब्दों में बांधना असंभव है। आशा ताई का महाप्रयाण केवल एक परिवार की क्षति नहीं, वरन संपूर्ण विश्व के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आपकी आवाज अमर है और युगों–युगों तक गूँजती रहेगी। ॐ शांति। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।'

वहीं मिसेज एशिया विजेता विजयता सच्चदेवा ने भावुक होकर कहा

'आशा जी सिर्फ एक कलाकार नहीं थीं, वो प्रेरणा थीं उनकी आवाज में जो जादू था, वो हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगा। आज हम सबने एक अनमोल रत्न खो दिया है।'

मेरठ के वलीदपुर में हिन्द मजदूर किसान समिति की महासभा, 'नस्ल बचाओ' का दिया संदेश

नशे और जाति को बताया सबसे बड़ा खतरा, हजारों मजदूर-किसानों ने ली शपथ

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ में रविवार को श्री परमधाम, वलीदपुर में हिन्द मजदूर किसान समिति द्वारा एक विशाल महासभा का आयोजन किया गया। इस सभा में आसपास के क्षेत्रों से हजारों पुरुष एवं महिला मजदूर-किसान शामिल हुए।

महासभा को संबोधित करते हुए समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रान्तिगुरु श्री चन्द्रमोहन जी ने कहा कि फसल से ज्यादा महत्वपूर्ण 'नस्ल' है। उन्होंने चेतावनी दी कि नशे का जहर और जाति का कहर समाज को बबार्दी की ओर ले जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नशे की वजह से कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं और जमीन तक बिक गई है, जिससे किसानों का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो नेता नशा और जातिवाद को बढ़ावा देते हैं, उनका पूरी तरह बहिष्कार करें।

अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि जाति व्यवस्था जन्म से नहीं होती और समाज को इससे ऊपर उठने की जरूरत है।

महासभा के दौरान हजारों युवाओं को जनेऊ धारण कराकर नशा और जाति से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य को सभी के लिए समान रूप से मुफ्त करने की मांग को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। सभा में ओमप्रकाश, कुलदीप, विकास, राजपाल, दीपक, अमित और सतीश समेत कई लोगों का सहयोग रहा।

14 अप्रैल अंबेडकर जयंती को लेकर शांति समिति की बैठक हुई संपन्न

जे पी गौतम

रामघाट/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। जरगवां में डा अम्बेडकर भीमराव अम्बेडकर जयंती पर थाना रामघाट प्रांगण में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में थाना प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर 24 अप्रैल को जरगवां निकालने वाली अंबेडकर शोभा यात्रा के झांकी रुट के विषय में विस्तृत जानकारी ली थाना प्रभारी ने बताया है कि किसी व्यक्ति ने शांति सुरक्षा व्यवस्था को भंग कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की तो ऐसे असमाजिक तत्वों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और अंबेडकर जयंती के आयोजकों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि कोई भी व्यक्ति शराब पीकर जयंती में दिख नहीं जाएं और कोई भी आपत्ति जनक डीजे पर कोई गाना बिल्कुल नहीं चलाएं जिससे किसी को आपत्ति हो बैठक में थाना प्रभारी संदीप सिंह एस एस आई के पी सिंह उपनिरीक्षक शिवशंकर लक्ष्मण शर्मा प्रधान महेश पाठक देवेंद्रसिंह डॉक्टर कल्यान सिंह मुन्नालाल जितेंद्र सिंह राजू पिंटू मिस्त्री महेंद्रसिंह प्रधान इंद्रपाल सिंह यादव दिनेश कुमार आदि ग्रामीण समाजसेवी उपस्थित रहे।

एआरसी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का हुआ भव्य उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। रविवार को विकास खण्ड सेमरियावा के एआरसी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर मूड़ाडिहा बेग सेमरियावा का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहें। सेमरियावा ब्लाक के गांव मूड़ाडिहा बेग सेमरियावा स्थित एआरसी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का रविवार को भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस दौरान सपा सांसद लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद ने कहा कि गोरखपुर - बस्ती मण्डल का यह इकलौता हॉस्पिटल है जिसमें सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस हॉस्पिटल के बन जाने से लोगों को लखनऊ या गोरखपुर नहीं जाना पड़ेगा। पूर्व सांसद भीष्मशंकर उर्फ कुशल तिवारी ने कहा कि हॉस्पिटल से जहाँ लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी वहीं स्थानीय लोगों को रोजी रोटी भी मिल जाएगी। पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस सुविधा होना सराहनीय कार्य है। इस अवसर पर एमडी शमशेर अहमद ने बताया कि अस्पताल में डॉ. गुलाम अख्तर(हृदय, सुगर एवं पेट रोग विशेषज्ञ), डॉ अब्दुल कय्यूम(जनरल फिजीशियन), डा. एस एन तिवारी(नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ), डा. आफरीन अली(लापरोस्कॉपिक, रोबोटीक, जनरल सर्जरी, गैस्ट्रो एंड कैंसर सर्जरी), डॉ. मोहम्मद अजमल(डायरेक्टर), डॉ. संजय कुमार चौधरी(नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ) सहित स्पेशलिस्ट डाक्टरों की टीम उपलब्ध रहेगी। आयुष्मान के लिए प्रक्रिया जारी है। गरीबों का मुफ्त इलाज होगा। इस अवसर पर समाजसेवी उदयराज तिवारी, प्रिया पाठक, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गौहर अली खान, मोहम्मद अहमद, मुनीरुल हसन चौधरी, फिरोज अहमद, मोहम्मद शाहिद, मुजीबुल्लाह, अर्जुन राय, राम पुरुषोत्तम गुप्ता, संतराम वरुण, मौलाना माशूक अहमद मोजाहिरी, मौलाना मो. नाजिम खान, वसीम अहमद, जमाल अहमद, मो. ईशा, हाफिज मकसूद अहमद नदवी, फैजान अहमद, मोहम्मद रईस, राम लखन गुप्ता, हाजी मो. नजीर, हाजी अब्दुल कय्यूम, फिरोज अहमद, फैजान अहमद, अब्दुल अजीम सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

अज्ञात चोर बिजली का तार काटकर हुए रफूचक्कर

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। शनिवार की बीती रात को अज्ञात चोर 16 विद्युत पोलों से अज्ञात चोर तार चोरी कर ले गए। नरौरा के विद्युत विभाग के एसडीओ संदीप सिंह ने बताया रामघाट तिराहा से रामघाट को जाने वाली दो विद्युत लाइन एक लाइन जो किसानों के लिए दिन में चलती है विधुत लाइन से अज्ञात चोर शनिवार की बीती रात 16 विद्युत पोलों से 2700 मी विद्युत तार चोरी कर ले गए जिसकी जानकारी सुबह किसानों के नलकूप की लाइन लगाते समय हुई विद्युत तारों की चोरी की जानकारी रामघाट थाना पुलिस को दे दी गई है विद्युत अभियंता योगेश कुमार द्वारा चोरी का प्रार्थना पत्र बुलंदशहर कॉरपोरेशन थाने को भेज दिया गया है। रामघाट थाना प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि हमारी टीम विद्युत चोरों की तलाश में जुट गई है जल्द ही चोरी करने वाले चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

13 अप्रैल को है वरुथिनी एकादशी: पापों से मुक्ति और समृद्धि का पावन हिंदू

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना जाता है, और इसी कड़ी में 13 अप्रैल को वरुथिनी एकादशी का पावन पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकर्जी के अनुसार, यह एकादशी जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और पापों से मुक्ति प्रदान करने वाली मानी जाती है।

उन्होंने बताया कि 'वरुथिनी' का अर्थ होता है रक्षा कवच, यानी यह एकादशी साधक को नकारात्मक ऊर्जा और बुरे कर्मों से बचाकर दिव्य संरक्षण प्रदान करती है।

शास्त्रों में इसका विशेष महत्व बताया गया है और मान्यता है कि इस व्रत को करने से उतना ही पुण्य प्राप्त होता है, जितना सोना या भूमि दान करने से मिलता है।

ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकर्जी के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की उपासना करने से मन शुद्ध होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पूजा विधि: इस पावन दिन श्रद्धालु भगवान विष्णु को

- तुलसी दल अर्पित करें
- सुगंधित फूल चढ़ाएं
- धूप और दीप प्रज्वलित करें

साथ ही 'ॐ भगवते वासुदेवाय' और 'विष्णु सहस्त्रनाम' का जाप विशेष फलदायी माना गया है।

ज्योतिषाचार्या कावेरी मुकर्जी ने कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन और नियमपूर्वक इस व्रत का पालन करता है, उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है, साथ ही भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में 13 अप्रैल को आने वाली वरुथिनी एकादशी श्रद्धालुओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जब वे भक्ति और साधना के माध्यम से अपने जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं।

कौशांबी में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की नई कार्यकारिणी घोषित, नव नियुक्त जिला कोऑर्डिनेटरों ने संभाला पदभार

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। डॉ. सुनील पंवार के नेतृत्व में एवं अजय राय, डॉ. विजेंद्र नरवाल तथा मनोज सिंह पटेल के अनुमोदन के उपरांत राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जोन अंतर्गत जिला प्रयागराज एवं जिला कौशांबी की कार्यकारिणी में जिला कोऑर्डिनेटरों के पदों पर नई नियुक्तियाँ तत्काल प्रभाव से कर दी गई हैं।

नव नियुक्त जिला कोऑर्डिनेटरों को प्रयागराज जोन कोऑर्डिनेटर एवं प्रभारी मनोज सिंह पटेल द्वारा विधिवत माल्यार्पण कर पदभार ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत बनाने, पंचायत स्तर तक जनसंपर्क बढ़ाने तथा जमीनी स्तर पर संगठन की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया गया। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि नई टीम के सहयोग से प्रयागराज जोन में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा पंचायत स्तर पर जनहित के कार्यों को गति मिलेगी।

नकली नोट के साथ प्रकाश में आये 02 अभियुक्त गिरफ्तार, नकली नोट बनाने के उपकरण एवं नकली रुपए बरामद

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। थाना गंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर बिलासपुर गेट के पास से 02 अभियुक्तों 1. सिनवान पुत्र शारिक निवासी मौहल्ला गुईया तालाब थाना गंज जनपद रामपुर, 2. मिन्हाज पुत्र मेहरोज खां निवासी मौहल्ला चाह मोटे कल्लन थाना गंज जनपद रामपुर को नकली नोट 10500 रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया । बरामदगी के आधार पर थाना गंज पर मु0अ0स0 53/2026 धारा 178/179/180 बीएनएस पंजीकृत किया गया था ।

विवेचना के क्रम में मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्तगण 1.राजवर्धन सिंह चौहान उर्फ आसू पुत्र सतेन्द्र सिंह चौहान निवासी आगरा रोड द्वारिकापुरी थाना कोतवाली एटा जनपद एटा, 2.चिराग सक्सैना पुत्र अजय कुमार सक्सैना निवासी कासगंज रोड मन्दाकनी पुरम कालोनी थाना कोतवाली देहात जिला एटा के नाम प्रकाश में आये ।जिसके क्रम में दिनांक 11.04.2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना गंज एवं एसओजी की सयुंक्त टीम द्वारा चाकू चौक से पहले मण्डी की तरफ जाने वाले रोड पर आम के बाग के पास से अभियुक्त चिराग सक्सैना उपरोक्त को नकली नोट व एक मोबाईल फोन के गिरफ्तार किया गया व अभियुक्त चिराग सक्सैना की निशादेही पर दिनांक 12.04.2026 को थाना गंज एवं एसओजी की सयुंक्त टीम द्वारा क्रिस ग्रीन कालोनी जनपद मेरठ से से अभियुक्त राजवर्धन सिंह उपरोक्त को गिरफ्तार कर नकली नोट बनाने के उपकरण, 446000/-रुपए के 500 के जाली नोट , अधबने - कटेफटे 500, 200, 100 के जाली नोट कुल 42,200/- रुपए, कुल बरामदगी जाली नोट - 488200/- रुपए,लैपटाप अ्रछछ कम्पनी ब्लू कलर -01,डैक्कटॉप -01 मय उपकरण सीपीयू, की बोर्ड, एलईडी, प्रिन्टर एचपी स्मार्ट टैंक -01, प्रिन्टर एचपी लेजर जैट पी -01, प्रिन्टर एढरडठ -01, लेमिनेसन मशीन लैप केयर -01, पेपर रिम ए4 साईज रायल एक्जीक्यूटिव बोन्ड 13,ऋ्ठक्छ (ळ्लफ्एअफ्ऊ के लिये),प्रिन्टिग एसएसिरीज सफेद इंक, बेस इंक -05 सीसी ,डॉक्टर बासर पन्नी का पैकट खुला -01, स्क्रीन क्लीन कैमिकल पन्नी के छोटे पैकेट -07, कटर प्लेट सफेद धातु की झ01, पेपर कटर पीली रंग के -02,आरवीआई पट्टी का सफेद पेपर का नमुना -04 पेपर ,02 मोबाईल बरामद किया गया ।

थाना कोतवाली:- प्रतिबन्धित नशीली दवाईयों के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। रात्रि को थाना कोतवाली एवं औषधि निरीक्षक, रामपुर की संयुक्त टीम द्वारा रोकथाम अवैध बिक्री/भण्डारण की चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तगण 1.अक्षय पुत्र मलुआ सिंह निवासी मौहल्ला गुड़िया बाग नवाबपुरा थाना नागफनी जनपद मुरादाबाद, 2. जीशान पुत्र दिलशाद हुसैन निवासी ग्राम चमरुआ थाना मुण्डापाण्डे जनपद मुरादाबाद, 3. जब्बार पुत्र आदिल हुसैन निवासी ग्राम इमरता थाना अजीम नगर जनपद रामपुर को आश्रम पद्धति रोड पर खाली मैदान से कुल 33 पेटी जिसमें (226 शीशी वेस्कोडेस्क, 2992 शीशी कोडेकटस टीआर, 144 शीशी वेरीकोफ नशे का सीरप), 35 डिब्बे जिसमें कुल 8400 ट्रामाडोल कैप्सूल, एक मो0सा0 UP21उे- , एक स्कूटी रजि0 नं0- UP21CU , एक डस्टर गाडी रजि0 न0- UP13AS- के साथ गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगणों के कब्जे से कुल 21500/- रुपये व 05 अदद मोबाईल बरामद किये । अभियुक्तगण 1. नाजिम पुत्र नामालूम निवासी नसीम गंज थाना टाण्डा जनपद रामपुर, 2. सरफराज उर्फ चिमपैजी पुत्र नामालूम निवासी कोहीनूर तिराहा थाना कटघर जनपद मुरादाबाद अन्धेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गये । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0-46/2026, धारा- 8/21 NDPS ACT व धारा-318(4) बीएनएस पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी।

- **कुल 33 पेटी(226 शीशी वेस्कोडेस्क, 2992 शीशी कोडेकटस टीआर, 144 शीशी वेरीकोफ नशे का सीरप), 35 डिब्बे जिसमें 8400 ट्रामाडोल कैप्सूल, नकद 21500/ रुपये, 05 मोबाईल, 01 मोटर साईकिल,01 स्कूटी व 01 गाडी बरामद**

गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण

- अक्षय पुत्र मलुआ सिंह निवासी मौहल्ला गुड़िया बाग नवाबपुरा थाना नागफनी जनपद मुरादाबाद
- जीशान पुत्र दिलशाद हुसैन निवासी ग्राम चमरुआ थाना मुण्डापाण्डेय जनपद मुरादाबाद
- जब्बार पुत्र आदिल हुसैन निवासी ग्राम इमरता थाना अजीम नगर जनपद रामपुर

भयमुक्त शासन के लिए जानी जाती है भाजपा- दिवाकर सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। पहासू कस्बा स्थित कुमार मंगलम पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक ऋषि और मनोज गर्ग ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया मुख्य अतिथि ने कहा कि भाजपा आज एक वट वृक्ष बन गयी है कार्यकर्ताओ को भाजपा की रीति नीति के बारे में बताया कहा कि पार्टी में सामान्य कार्यकता को विशिष्ट कार्यकर्ता बनाने का कार्य किया जाता है समाज में सामुहिकता होना जरूरी है मुख्य अतिथि दिवाकर सिंह ने कहा कि जिस तरह फ्यूज बल्ब को ये समझ लिया जाता है कि वह बेकार हो गया है जबकि उसी के तार को छेड़ने से ठीक हो जाता है वैसे पुराने कार्यकर्ता से सम्पर्क स्थापित करने से फिर से पार्टी का कार्य करना प्रारंभ कर देता है वक्ताओं ने सरकार की उपलब्धियां गिनाई राशन,आवास, देने का कार्य आज भी सरकार कर रही है राजीव राघव ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा,विधुत व्यवस्था, सड़क निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कार्यकर्ताओ से सोशल मीडिया पर अधिक अधिक से एक्टिव रहने के लिए अपील की, भाजपा सरकार ने अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है। मौके पर भूपेन्द्र गौड़,पदम सिंह तौमर, कुलदीप सिंह मण्डल अध्यक्ष,अवनीत शर्मा,महामंत्री मनोज गर्ग, मलखान सिंह,प्रीतम सिंह, सुधीर राघव ,तरंगदीप शर्मा,कृष्ण कुमार, विक्रान्त सिंह, आशीष शर्मा,अमन गुप्ता, मोहित सोनी आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर पार्क के सौंदर्यीकरण एवं प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष में नगर पालिका परिषद के वार्ड 08 औरंगाबाद गदाना स्थित अंबेडकर पार्क के सौंदर्यीकरण एवं भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम असीम अरुण (समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री, स्वतंत्र प्रभार) के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, विधायक डॉ मंजू शिवाच एवं विनोद वैशाली (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका द्वारा प्रारंभ किए गए 'आस्था वाहन' का फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर विधिवत शुभारंभ किया गया। इस पहल के अंतर्गत गऊ ग्रास तथा हवन-पूजन सामग्री घर-घर से एकत्रित की जाएगी, जिससे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

अमीन अरुण ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जी के विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं। उनका जीवन हमें सामाजिक समरसता, समान अधिकार और शिक्षा के महत्व को समझाता है। सरकार एवं समाज मिलकर उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से देश को एक मजबूत आधार दिया है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। विधायक डॉ मंजू शिवाच ने कहा कि शिक्षा और समानता ही सशक्त समाज की नींव है।

बाबा साहेब के विचार महिलाओं एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं। विनोद वैशाली (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद) ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जी का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है।

उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए नगर पालिका निरंतर विकास एवं जनसेवा के कार्यों में लगी हुई है। 'आस्था वाहन' जैसी पहलें समाज में सेवा, सहयोग और संस्कारों को बढ़ावा देने के साथ-साथ लोगों को एकजुट करने का कार्य करेंगी। कार्यक्रम का समापन बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस मौके पर वेद प्रकाश चौधरी सभासद, अर्जुन नेहरा सभासद, धर्मवीर सिंह सभासद, सोनू कुमार सभासद, अनिल उर्फ टिंकू, बबली गुज्जर, अनिल गौतम, देवपाल हरित, संदीप सांगवान, मोनू धामा, राखी रावण, धर्मपाल महाशय आदि उपस्थित रहे।

कृष्णा रुहेला बने समाजवादी पार्टी कोर कमेटी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल द्वारा पार्टी के वरिष्ठ में नेता कृष्णा रुहेला को पार्टी कोर कमेटी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने की दिशा में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे समाजवादी नेता कृष्णा रुहेला को उनकी वर्षों की मेहनत, निष्ठा एवं संगठन के प्रति समर्पण का सार्थक प्रतिफल प्राप्त हुआ है।

कृष्णा रुहेला लंबे समय से समाजवादी पार्टी के एक सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। वे लगातार दो कार्यकाल से पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

उनकी कार्यशैली, संगठन क्षमता एवं समाज के प्रति समर्पण ने उन्हें संगठन में एक मजबूत और विश्वसनीय पहचान दिलाई है।

इन्हीं गुणों को दृष्टिगत रखते हुए अखिलेश यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री की संस्तुति पर तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल द्वारा कृष्णा रुहेला को समाजवादी पार्टी की कोर कमेटी की राज्य कार्यकारिणी में सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

यह जिम्मेदारी न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष, समर्पण एवं कार्यक्षमता की पहचान है, बल्कि पार्टी के समस्त कार्यकताओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत भी है कि सच्ची लगन, मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने पर संगठन में सम्मान और जिम्मेदारी अवश्य प्राप्त होती है। इस अवसर पर कृष्णा रुहेला ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों एवं समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए और अधिक मेहनत, निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव 10 मई को मनाया जायेगा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भगवान परशुराम धर्मशाला मे त्यागी ब्राह्मण सभा द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे प्रत्येक वर्ष निकलने वाली भगवान परशुराम जी की शोभा यात्रा के संदर्भ मे चर्चा हुई। जिसमे तय हुआ कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ी धूम धाम से भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव 10 मई को मनाया जायेगा।

शोभा यात्रा सीकरी कला से शुरू होकर कपड़ा मिल भगवान परशुराम मंदिर पर समापन होंगी और भगवान की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर अलोक कौशिक सभासद, ललित त्यागी सभासद, प्रदीप शर्मा सभासद, दीपक वत्स पूर्व सभासद, पप्पन शर्मा, नंदकिशोर त्यागी, डॉ श्रवन शर्मा, एड अमित शर्मा, ऋषि शर्मा, ललित शर्मा, सुनील शर्मा, संजय तिवारी, रमाकांत डिमरी, आदित्य शर्मा, शुभम शर्मा, मनोज शर्मा, निरंजन तिवारी, प्रभास शर्मा, नितिन शर्मा, मुकेश शर्मा, हरिओम शर्मा, विनीत शर्मा, राहुल शर्मा, प्रमोद शर्मा, आदि गणमान्य लोग उपस्थिति थे।

डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन के तत्वाधान में स्पंदन 2026 स्टार नाइट का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के. एन. मोदी फाउंडेशन के द्वारा जागृति मैदान में स्पंदन 2026 झ स्टार नाइट का आयोजन किया गया ।स्पंदन 2026 झ स्टार नाइट का आयोजन ने डॉ के.एन. मोदी यूनिवर्सिटी एनसीआर कैंपस में ऐसा इतिहास रच दिया। जिसे आने वाले सालों तक याद किया जाएगा।

यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था–यह था उत्साह, प्रतिभा और युवा ऊर्जा का अद्भुत उत्सव। डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डी.के. मोदी , सभी वरिष्ठ पदाधिकारी गण, वाइस चांसलर, एगजुकेटिव डायरेक्टर, प्रिंसिपल्स, डायरेक्टर्स द्वारा मुख्य प्रसिद्ध पंजाबी गायक जस्सी गिल व बब्बल राय को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस विशेष अवसर पर प्रसिद्ध पंजाबी स्टार जस्सी गिल व बब्बल राय ने अपनी परफॉर्मेंस से पूरे मैदान को जोश, संगीत, खुशियों भरी ऊर्जा से भर दिया। उनकी लाइव परफॉर्मेंस ने साबित किया कि जब आपका जुनून सच्चा होता है, तो हर मंच आपका हो जाता है।

मुख्य गायक के प्रेरक शब्दों ने छात्रों को सपनों की ओर और अधिक मजबूती से बढ़ने का हौसला दिया। यह महोत्सव हमारी युवा पीढ़ी के उस विश्वास को और मजबूत करता है – जब तक आपके अंदर सपने देखने की हिम्मत है, तब तक दुनिया में कोई भी बाधा आपको रोक नहीं सकती।' कार्यक्रम ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि हर छात्र में एक नया उत्साह, नई ऊर्जा और आगे बढ़ने की प्रेरणा जगाई। कार्यक्रम में फाउंडेशन के लगभग सात हजार विद्यार्थी, अतिथि, मीडिया के लोग एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कला, संस्कृति और सृजनशीलता का यह संगम इस बात का प्रतीक है कि हमारे छात्र सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि हर मंच पर चमकने की क्षमता रखते हैं। फाउंडेशन सभी छात्रों, स्टाफ, अभिभावकों और अतिथियों का दिल से आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने इस अविस्मरणीय शाम को सफल और यादगार बनाया। चलो, इसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हैंङ्गनए सपनों की ओर, नई उपलब्धियों की ओर। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकगण एवं स्टाफ के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

उत्तर प्रदेश पुलिस को हराकर हरियाणा बना कबड्डी महिला चैंपियन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में खेली गई दो दिवसीय अखिल भारतीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में 10 राज्यों से 28 महिला कबड्डी टीमों ने भाग लिया दिन रात चली। इस प्रतियोगिता में कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मौजूद रहे फाइनल मुकाबला उत्तर प्रदेश पुलिस व हरियाणा के बीच खेला गया। जिसमें हरियाणा ने कड़े मुकाबले में उत्तर प्रदेश पुलिस को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को विधायक मंजू शिवाच पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी द्वारा नगद पुरस्कार व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरूण त्यागी व आयोजन सचिव गुलशन चौधरी ने बताया हरियाणा की टीम को 31000 रुपए नगद और ट्रॉफी उत्तर प्रदेश पुलिस को 21000 वह ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता बृजपाल तेवतिया जिला पंचायत सदस्य बबली गुर्जर अबूपुर प्रधान कृष्णवीर जून विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं आदि गणमान्य लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही।

बैसाखी के अवसर पर भव्य नि:शुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विद्यावती सेवा ट्रस्ट, पंजाबी संगठन मोदीनगर, महिला पंजाबी संगठन मोदीनगर एवं लायंस क्लब मोदीनगर उड़ान इंटरनेशनल द्वारा बैसाखी के शुभ अवसर पर एक भव्य निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद डा राजकुमार सांगवान एवं विधायक मंजू शिवाच द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मोदीनगर चेयरमैन विनोद वैशाली ,बजरंग दल के विभाग संयोजक मधुर नेहरा, डॉ. अरुण त्यागी, सुशील जैन, अमित गोयल (व्यापार मंडल), शैलभ सिंघल, मुकेश गोयल, अक्ष शर्मा एवं प्रदीप बोस विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं प्रदान की, जिसमें डॉ. शैंकी जैन (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ. अनिल गर्ग, डॉ. पूनम गर्ग, डॉ. सताक्षी गर्ग (महिला एवं आईवीएफ विशेषज्ञ) एवं डॉ. शुभांगी गर्ग ने लोगों की जांच एवं परामर्श किया। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अध्यक्ष अजय ग्रोवर एवं डॉ. शालिनी नैयर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें तीनों संगठनों की पूरी टीम का सराहनीय सहयोग रहा। शिविर में लगभग 100 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। ईसीजी , लिपिड प्रोफाइल, शुगर टेस्ट, ईसीएचओ पर विशेष छूट तथा आईवीएफ परामर्श जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। साथ ही, जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के जनसेवा कार्य समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

लोनी बॉर्डर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हत्या के प्रयास में 2 आरोपी गिरफ्तार, फायरिंग कर युवक को किया था घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार, दिनांक 06 अप्रैल 2026 को संगम विहार निवासी वादी श्री लखन ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि प्रीत गुर्जर, सिम्मी और शिवम पंडित ने उसके भाई के साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मुख्य आरोपी प्रीत गुर्जर ने अवैध असलहा निकालकर फायरिंग कर दी, जिससे वादी के भाई के दाहिने पैर की जांघ के ऊपरी हिस्से में गोली लग गई। घटना को अंजाम देने के बाद

आरोपी मौके से फरार हो गए और जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में थाना लोनी बॉर्डर पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1), 352, 351(3) तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने 11 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

रालोद सहकारिता प्रकोष्ठ का आलोक चौधरी को बनाया महानगर अध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोक दल सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने दुहाई निवासी आलोक चौधरी को महानगर अध्यक्ष बनाया है ।मेरठ रोड स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता हुई । जिसमें सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने दुहाई निवासी आलोक चौधरी को नियुक्ति पत्र देकर महानगर अध्यक्ष की घोषणा की और कहा आलोक पूरी निष्ठा से पार्टी में काम करेंगे जो जिम्मेदारी इनको दी गई है। पार्टी के प्रति पूरी वफादारी से उसका निर्वाह करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की व कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय

महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन ने किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी , चौ तेजपाल सिंह , चेयरमैन अमरजीत बिड्डी , अमरीश त्यागी , एडवोकेट कुंवर अय्यूब अली , अंकुर त्यागी , लोकेश चौधरी ,कृष्ण पाल डायरेक्टर , रणजीत सिंह तेवतिया , हिमांशु नागर , अरुण शर्मा , वीर सिंह सलेमाबाद , नीरज सेहरावत , मनिंदर बिल्ला , दीपू शर्मा , वेद प्रकाश प्रजापति , शांतनु त्यागी , इमरान इलाही, संजय बिंदल , विनीत त्यागी,आलोक चौधरी , शिवम गर्ग , अभिषेक चौधरी , विक्रांत चौधरी ,अमित गर्ग अपूर्व निगम , रहीसुद्दीन , हाजी तोहिद , जुनेद चौधरी ऋषिपाल सिंह उद्देश्य कुमार ज्ञानेंद्र सिंह आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

गौर सिटी में देर रात बवाल: साइड न देने पर दो गुट भिड़े, थार सवारों का सड़क पर हुड़दंग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौर सिटी-2 सोसायटी के 7ङ्ग एवेन्यू मार्केट के बाहर देर रात उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब दो गुटों के बीच मामूली बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस के अनुसार, काले रंग की थार गाड़ी में सवार कुछ युवक सड़क पर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रही एक अन्य कार ने उन्हें साइड नहीं दी। इस बात से नाराज थार सवार युवकों ने लगातार हॉर्न बजाया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई।

नशे में धुत युवकों का उत्पात

मारपीट के बाद थार सवार युवकों ने सड़क पर गाड़ी रोककर जमकर हुड़दंग मचाया।

बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में थे और उन्होंने अर्धनग्न होकर गाली-गलौज भी की, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

घटना स्थल के आसपास लगे कैमरों में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हो गया है। वायरल वीडियो में युवक सड़क पर हंगामा करते साफ नजर आ रहे हैं।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

बिसरख थाना पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में प्रयुक्त थार गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

जांच जारी

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और अन्य आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

औद्योगिक शांति को मजबूत करने के लिए नोएडा में बड़ी बैठक, प्रशासन और उद्योग जगत एक मंच पर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में औद्योगिक शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से सेक्टर-06 स्थित नोएडा विकास प्राधिकरण सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्राधिकरण, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन तथा विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करूणेश, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह एवं जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रमुख सचिव (श्रम) एम.के.एस. सुंदरम एवं श्रम आयुक्त मार्कण्डेय शाही ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए सरकार की श्रमिक और उद्यमी हितों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन, समय पर भुगतान, समान कार्य के लिए समान वेतन, ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान, सामाजिक सुरक्षा (ईपीएफ, ईएसआई), ग्रेच्युटी तथा गिग व असंगठित श्रमिकों को भी सुरक्षा प्रदान करने जैसे प्रावधान लागू किए जा रहे हैं। श्रमिकों के शोषण पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। पुलिस आयुक्त ने औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सभी औद्योगिक इकाइयों को शासन की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करने और नोटिस बोर्ड पर उन्हें प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां 1202978231, 1202978232, 1202978862 और 1202978702 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही, कारखानों में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने और श्रमिकों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों ने औद्योगिक इकाइयों के नियमित निरीक्षण और श्रमिक-प्रबंधन के बीच संवाद बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि किसी भी विवाद को शुरूआती स्तर पर ही समाप्त किया जा सके। अंत में श्रमिकों से अपील की गई कि वे अनुशासन बनाए रखें, अफवाहों से दूर रहें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें, जिससे जनपद में औद्योगिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित होती रहें।

महाराणा सांगा की पुण्यतिथि पर गाजियाबाद में ऐतिहासिक रैली, एकता और वीरता का संदेश गूंजा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महान योद्धा महाराणा सांगा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर गाजियाबाद में एक भव्य एवं विशाल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के हर वर्ग, धर्म और आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह आयोजन न केवल श्रद्धांजलि का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता, वीरता और भाईचारे का सशक्त संदेश भी लेकर आया। रैली में युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे यह कार्यक्रम एक जनआंदोलन का रूप लेता नजर आया। पूरे मार्ग पर देशभक्ति के नारों, झंडों और बैनरों से वातावरण उत्साह और ऊर्जा से भर गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ठाकुर शेखर चौहान, राहुल प्रधान, उपेंद्र एवं गौरव शर्मा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। मंच से अपने संबोधन में वक्ताओं ने महाराणा सांगा के अद्वितीय जीवन, संघर्ष और उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण को विस्तार से याद किया। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा सांगा केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। रैली के दौरान अनुशासन और उत्साह का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। प्रतिभागियों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि समाज की एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों से आह्वान किया गया कि वे महाराणा सांगा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और समाज में समरसता, भाईचारा एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें हर धर्म और वर्ग के लोगों की भागीदारी देखने को मिली, जिसने गाजियाबाद की सामाजिक एकता और सौहार्दपूर्ण वातावरण को दर्शाया। अंत में सभी ने सामूहिक संकल्प लिया कि वे समाज में सद्भाव, एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को आगे बढ़ाते हुए एक मजबूत और संगठित भारत के निर्माण में योगदान देंगे।

प्रताप विहार में सौंदर्यीकरण की बड़ी पहल: डीपीएस चौराहे से लीलावती चौक तक बदलेगा शहर का चेहरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर के सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्राधिकरण द्वारा विकसित प्रताप विहार योजना के अंतर्गत डीपीएस चौराहे से लीलावती चौक तक व्यापक सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर मेयर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा एवं प्राधिकरण उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने संयुक्त रूप से परियोजना का उद्घाटन किया। परियोजना के तहत डीपीएस चौराहे से लीलावती चौक तक सड़क के दोनों ओर डिवाइडर, सेंट्रल वर्ज और प्रमुख चौराहों का समग्र विकास किया जाएगा। चयनित स्थानों पर आकर्षक पत्थर संरचनाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें मसाल-आधारित थीम और विशेष डिजाइनयुक्त पत्थर की आकृतियां शामिल होंगी, जो क्षेत्र की सुंदरता को नया आयाम देंगी।

करीब 4.70 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस योजना में फुटपाथों का सुदृढ़ीकरण, सेंट्रल वर्ज का विकास और आधुनिक लैंडस्केपिंग कार्य भी शामिल हैं। कार्य पूर्ण होने के बाद यह इलाका न केवल अधिक आकर्षक और सुव्यवस्थित नजर आएगा, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं भी मिलेंगी। यह परियोजना गाजियाबाद के शहरी विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा।

निशांत ट्रस्ट ने नौवें स्थापना दिवस पर किया भंडारा

अरूण मिश्रा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय निशांत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अपने नौवें स्थापना दिवस के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन ट्रस्ट की प्रेरणा स्त्रोत स्वर्गीय श्रीमती मनोरमा भटनागर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में राजनगर सेक्टर-1 के निकट संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सेवा कार्य में भाग लिया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। संस्था के चेयरमैन नीरज भटनागर ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक कार्यों के माध्यम से लोगों की सेवा करता रहेगा। इस मौके पर ट्रस्टी मधु भटनागर, अध्यक्ष अमित कुमार श्रीवास्तव, राकेश गुसाईं, रेखा अग्रवाल, अजय श्रीवास्तव, लवलेश गर्ग, पल्लवी शर्मा, श्रीवा अग्रवाल, निकुंज भटनागर, मौलश्री भटनागर, शरद भटनागर, पूर्णिमा सक्सेना, रजनी भटनागर, सुदेश भटनागर, अनिल गर्ग, वाई.डी. चतुर्वेदी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुर्गा टावर में सर्व समाज की पंचायत, वायरल वीडियो की निष्पक्ष जांच की उठी मांग

आरडीसी राजनगर में जुटे सैकड़ों लोग, एआई एडिटिंग की आशंका पर सख्त कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर आरडीसी स्थित दुर्गा टावर में सर्व समाज की एक महत्वपूर्ण पंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न वर्गों के सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश दिया। पंचायत में मुख्य रूप से सांसद डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज से जुड़े एक वायरल वीडियो को लेकर गहन चर्चा की गई। पंचायत में उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में मांग की कि वायरल वीडियो की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि वीडियो में एआई तकनीक के माध्यम से छेड़छाड़ या एडिटिंग की गई है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि ऐसी गतिविधियां समाज में वैमनस्यता फैलाने का कार्य करती हैं।

इस अवसर पर विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बी.के. शर्मा 'हनुमान' ने पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सांसद द्वारा वास्तव में कोई आपत्तिजनक बयान दिया गया है, तो यह निंदनीय है और इस पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि वीडियो के साथ किसी ने तकनीकी छेड़छाड़ कर गलत संदेश फैलाया है, तो ऐसे तत्वों को भी किसी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी 'अनेकता में एकता' की भावना से है, जहां सभी समाज एक बगीचे के विभिन्न फूलों की तरह मिलजुल कर रहते हैं। ब्राह्मण समाज के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस समाज ने सदैव ज्ञान, संस्कार और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पंचायत में मौजूद अन्य वक्ताओं ने भी कहा कि किसी भी समाज या वर्ग के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी या फर्जी सामग्री प्रसारित करना न केवल सामाजिक सौहार्द के लिए खतरा है, बल्कि यह कानूनन भी दंडनीय अपराध है।

इस दौरान ब्रजकिशोर बृजवासी, आलोकचंद शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, आरपी शर्मा, अमित शर्मा, कार्तिकेय शर्मा, मधु शर्मा, सुनीता बहल, देवाशीष ओझा, एके जैन, नरेंद्र सिंह तेवतिया, सुरजीत सिंह, एसपी गुप्ता, सुनील बंसल, एन.एस. तोमर सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

साइबर ठगों पर वार: क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने लौटाए 69,141, पीड़ित को मिली बड़ी राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई से ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति की 69,141.46 की पूरी धनराशि वापस कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 09 अप्रैल 2026 को साइबर सेल थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, कमिश्नरेट गाजियाबाद को NCRP पोर्टल के माध्यम से आवेदक श्री प्रनील निवासी क्रॉसिंग रिपब्लिक की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत में बताया गया था कि उनके साथ ऑनलाइन साइबर फ्रॉड कर ठगी की गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। संबंधित मर्चेंट से पत्राचार और तकनीकी प्रयासों के जरिए टीम ने ठगी गई धनराशि को ट्रेस कर सुरक्षित कराया। इसके बाद पूरी रकम 69,141.46 आवेदक को वापस कर दी गई। अपनी रकम वापस मिलने पर पीड़ित श्री प्रनील ने थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पहुंचकर थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत NCRP पोर्टल या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान की भरपाई की जा सके।

मामा बना हैवान: 4 साल की मासूम की हत्या, कार के नीचे मिला शव, इलाके में दहशत

कपिल चौहान

आरोपी मामा

मृतक भांजी

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 4 वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या कर उसका शव सड़क किनारे खड़ी कार के नीचे फेंक दिया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, गश्त के दौरान थाना मोबाइल को सूचना मिली कि बीकानेर 80 फुटा रोड पर एक कार के नीचे बच्ची का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की कार्रवाई शुरू की। मृत बच्ची की पहचान रहनुमा (उम्र 4 वर्ष), पुत्री रशीद, निवासी 60 फुटा रोड शमशाद गार्डन पसौंडा के रूप में हुई।

प्रारंभिक जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बच्ची को उसका सगा मामा जमील उर्फ छोटू घर से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद उसने उसकी हत्या कर दी और शव को छुपाने के उद्देश्य से शालीमार गार्डन क्षेत्र में कार के नीचे फेंक दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है, वहीं इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। इस संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना टीला मोड़ में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों को लगाया गया है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मसूरी सर्किल में तैनात एसीपी, आईपीएस लिपि नगायच को स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई दी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी सर्किल में तैनात एसीपी, आईपीएस लिपि नगायच को उनके स्थानांतरण पर मसूरी पुलिस टीम ने भावभीनी विदाई दी। उनके कार्यकाल को पुलिसकर्मियों ने बेहद सराहनीय और प्रेरणादायक बताया।

विदाई समारोह के दौरान थाना प्रभारी अजय चौधरी सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने मिलकर एसीपी लिपि नगायच के साथ बिताए गए समय और उनके नेतृत्व में किए गए सफल कार्यों को याद किया। उनके मार्गदर्शन में कई अहम मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई। इस अवसर पर थाना प्रभारी और पुलिस टीम ने फूलों से सजी गाड़ी के साथ उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। माहौल भावुक रहा, जहां पुलिसकर्मियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एसीपी लिपि नगायच का अब वाराणसी एडीसीपी पद पर ट्रांसफर हुआ है। उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण को मसूरी पुलिस हमेशा याद रखेगी।

फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में निरंतर समर्पण और योगदान : डॉ. महिपाल सिंह को AIIMS में 'हेल्थकेयर प्रोफेशनल रत्न अवॉर्ड'

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन एवं विन्सम रिहैब सेंटर के संस्थापक एवं निदेशक, वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. महिपाल सिंह को एम्स, नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'NCAHRS हेल्थकेयर प्रोफेशनल रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान एम्स दिल्ली की जेरिएट्रिक यूनिट द्वारा 11 व 12 अप्रैल 2026 को जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। सम्मेलन में देशभर से आए सैकड़ों पुनर्वास विशेषज्ञों, फिजियोथेरेपिस्ट, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट एवं स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया।

पिछले कई वर्षों से निरंतर फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास के क्षेत्र में सेवा व समर्पण दे रहे डॉ. महिपाल सिंह ने हजारों मरीजों को न्यूरोलॉजिकल, ऑर्थोपेडिक एवं जेरिएट्रिक रिहैबिलिटेशन के माध्यम से नया जीवन दिया है। समुदाय आधारित पुनर्वास, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क थेरेपी कैंप के क्षेत्र में उनका योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा है। यह अवॉर्ड स्वास्थ्य सेवा, रोगी-केंद्रित देखभाल और पुनर्वास के क्षेत्र में उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देता है।

ग्रामीण जोन में सुरक्षा को धार देने के लिए पुलिस आयुक्त की बड़ी बैठक, बीट सिस्टम पर फोकस

बीट उपनिरीक्षकों और बीट पुलिस अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, जनसहयोग और सूचना तंत्र मजबूत करने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में ग्रामीण जोन के बीट उपनिरीक्षक (BSI) एवं बीट पुलिस अधिकारी (BPO) शामिल हुए। गोष्ठी में बीट प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने, अपराध नियंत्रण को मजबूत बनाने और जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बीट अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करें और आमजन से लगातार संवाद बनाए रखें।

बैठक के दौरान अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने, मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही प्रत्येक बीट अधिकारी को अपने क्षेत्र की सामाजिक संरचना, प्रमुख व्यक्तियों और महत्वपूर्ण स्थानों की अद्यतन जानकारी रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण कर पुलिस की सकारात्मक छवि बनाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने और पुलिस-जन सहयोग को प्राथमिकता देने की बात कही।

गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध, पुलिस उपायुक्त ग्रामीण जोन, सभी सर्किल के सहायक पुलिस आयुक्त सहित ग्रामीण जोन के बीट अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 'यक्ष एप' के माध्यम से बीटवार कार्यों की समीक्षा भी की गई। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और विश्वास कायम रखने के लिए संयुक्त प्रयासों को और तेज करने का संकल्प लिया।

'ऑपरेशन प्रहार' का असर: लोनी पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक दबोचा

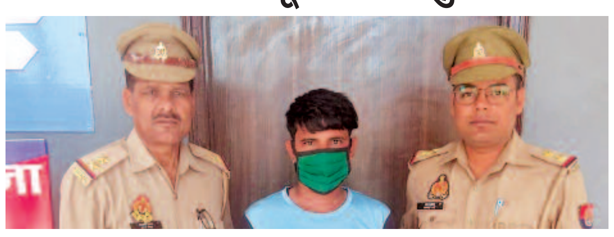

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना लोनी पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान अभियुक्त को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नाजिम पुत्र इलियास, निवासी जमालपुरा थाना लोनी, उम्र करीब 23 वर्ष के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा (.315 बोर) और दो जिंदा कारतूस (.315 बोर) बरामद किए गए हैं। थाना लोनी पुलिस ने बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत क्षेत्र में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे अपराधियों पर शिकंजा कसने में सफलता मिल रही है।